www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 अमेरिका की दबंग कूटनीति का दौर, भारत समेत पूरी दुनिया की इस पर है नजर
बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की 06

वर्ष :17 | अंक :83 | प्रयागराज, मंगलवार, 24 जून, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1:00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के जमशेदपुर में हथियार बरामद, व्यक्ति गिरफ्तार

जमशेदपुर के कदमा इलाके में सोमवार को हथियार बरामद किए जाने के बाद इस सिलसिले में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। खुफिया सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडे ने संदिग्ध को पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) (नगर) कुमार शिवाशीष के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की थी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)(मुख्यालय-2) मनोज कुमार ठाकुर और कदमा थाने के अधिकारियों सहित टीम ने छापेमारी कर हरिकेश पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो देशी पिस्तौल, विभिन्न कैलिबर के चार कारतूस और दो खाली मैगजीन बरामद की। एसपी शिवाशीष ने बताया कि हथियार खाली पड़े मकान के शौचालय में छिपाए गए थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पटेल लोगों को डराने और पैसे ऐंठने के लिए आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल करना चाहता था।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में 24 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के एक सरकारी स्कूल में 24 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आठवीं से दसवीं कक्षा की छात्राओं ने स्कूल के प्राचार्य से उत्पीड़न की शिकायत की थी जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी और शिक्षक को गिरफ्तार किया गया। स्कूल प्रशासन ने बताया कि शुक्रवार को 24 छात्राओं ने प्राचार्य को लिखित शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिक्षक ने उन्हें गलत तरीके से छुआ है। स्कूल प्रशासन ने बताया कि शिकायत को स्कूल की यौन उत्पीड़न रोधी समिति को भेज दिया गया था। उन्होंने बताया कि शनिवार को छात्राओं के अभिभावकों को बैठक के लिए बुलाया गया और पाया गया कि उनमें से अधिकतर को अपनी बच्ची के उत्पीड़न के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

4 राज्यों के 5 विधानसभा उपचुनाव रिजल्ट

गुजरात के विसावदर, पंजाब के लुधियाना में आप जीती; बंगाल में काउंटिंग के दौरान ब्लास्ट, बच्ची की मौत

उपचुनाव रिजल्ट

चार राज्यों में हुए विधानसभा उपचुनावों में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के गोपाल इटालिया ने गुजरात की विसावदर सीट पर जीत दर्ज की और उनकी पार्टी ने पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट भी बरकरार रखी, जबकि केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से नीलांबुर सीट छीन ली।

एजेंसी

नयी दिल्ली। चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर आप के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे। केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट आप के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी।

वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल की उट ममता बनर्जी ने बच्ची की मौत पर दुख जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- पुलिस दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

लुधियाना में संजीव अरोड़ा जीत के करीब, बोले- केजरीवाल को श्रेय

पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर आप कैंडिडेट संजीव अरोड़ा 13 राउंड की वोटिंग तक 10 हजार वोटों से आगे हैं।

केजरीवाल बोले- मैं राज्यसभा नहीं जा रहा

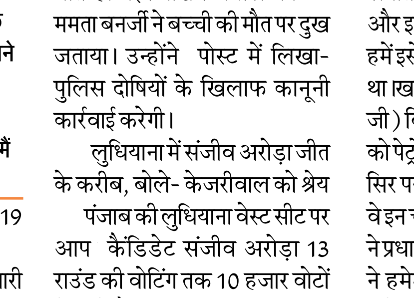

लुधियाना से संजीव अरोड़ा के चुनाव जीतने पर वे राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे। उनकी खाली हुई राज्यसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा जाने की अटकलें हैं। हालांकि, अरोड़ा के चुनाव जीतने के बाद दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से राज्यसभा में किसे भेजा जाना है यह फैसला आप की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी लेगी, मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं।

केरल से यूडीएफ प्रत्याशी की जीत

यूडीएफ उम्मीदवार, कांग्रेस के आर्यदान शौकत ने नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है. कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने कहा कि पूरी पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर इस जीत के लिए लड़ाई लड़ी और हमें 9 साल बाद यह जीत मिली है. यह आर्यदान मुहम्मद की सीट थी. अब, उनके बेटे ने 9 साल बाद सीपीआई (एम) से सीट वापस ले ली है. यह केरल में लोगों की भावनाओं को दर्शाता है जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं. हमें यकीन है कि यूडीएफ अगले साल सत्ता में आ रही है. कांग्रेस पार्टी सत्ता में आ रही है और अगले साल इस समय तक हमारे पास कांग्रेस का सीएम होगा.

मोदी जी विश्वगुरु हों, या घर के गुरु इजराइल-ईरान जंग रोकने का प्रयास करना चाहिए :खड़गे

ईरान हमारा पुराना दोस्त

खड़गे बोले- मोदी सेना में होते तो तारीफ करते खड़गे ने आगे कहा कि वे (मोदी) अगर सेना में कैप्टन, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में काम करते, तो हम उनके बेहतरीन काम और देश के लिए लड़ने के लिए उनकी सराहना करते, लेकिन ऐसा नहीं है। इसके बजाय, वह बिहार चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त थे।

एजेंसी

खड़गे बोले- मोदी हमेशा विपक्ष को नीचा दिखाते हैं

कर्नाटक के रायचूर में सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा- पीएम मोदी हमेशा विपक्ष को नीचा दिखाते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में पीएम गायब रहे। इससे साफ पता चलता है कि विपक्ष के लिए उनके मन में बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। खड़गे ने कहा, आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की हत्या कर दी।

बेंगलुरु , कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री विश्व गुरु बनने का नारा लगाते हैं। जबकि दूसरी तरफ ईरान और इजराइल के बीच जंग हो रही है। हमें इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था। खड़गे ने कहा, चाहे आप (मोदी जी) विश्व गुरु हों या घर के गुरु। लोगों को पेट्रोल, डीजल, खाना, कपड़े और सिर पर छत चाहिए। हम चाहते थे कि वे इन चीजों के लिए प्रयास करें। खड़गे ने प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है क्योंकि देश अपनी ईंधन की जरूरत का 50 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात करता है। जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमले किए और आतंकवादियों को खत्म कर दिया। उस वक्त पूरा देश सेना के साथ खड़ा था, लेकिन ऐसे समय में भी कुछ लोग व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे। खड़गे बोले- मोदी सेना में होते तो तारीफ करते खड़गे ने आगे कहा कि वे (मोदी) अगर सेना में कैप्टन, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में काम करते, तो हम उनके बेहतरीन काम और देश के लिए लड़ने के लिए उनकी सराहना करते, लेकिन ऐसा नहीं है।

स्कूल जाना चाहती हूं, आप मेरा एडमिशन करा दीजिए ....

जनता दर्शन में नन्ही बच्ची के अंदाज को देख मुस्कुरा उठे सीएम योगी

तीन महीने की समस्या, सीएम योगी ने तीन घंटे के अंदर सुलझाई . सोमवार को जनता दर्शन में एडमिशन के लिए मुख्यमंत्री से मिली थी नन्ही बच्ची . पिता रैपिडो चलाकर करते हैं घर का भरण-पोषण. लखनऊ स्टेशन पर ही थे माता-पिता, तभी मिली खुशखबरी . माता-पिता ने सीएम योगी के प्रति जताया आभार, बोले- शब्द भी कम पड़ गए .

एजेंसी

- मुरादाबाद से आई वाची मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं
- बच्ची से मुख्यमंत्री के संवाद को देख सभी ने योगी के बालमन की तारीफ की तो बच्ची की हाजिर जवाबी पर मुस्कुरा उठे

लखनऊ : गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में संत की भूमिका, मुख्यमंत्री के रूप में सख्त प्रशासक का दायित्व, लेकिन इन सबसे इतर प्रकृति से लगाव और बच्चों से घुलने-मिलने की प्रवृत्ति के कारण योगी आदित्यनाथ की छवि हर दिल में बसी है। यूं तो हर दौरे, निरीक्षण, कार्यक्रम में बच्चों को देख योगी आदित्यनाथ उनसे मिलते, हालचाल जानते, पढ़ाई के बारे में पूछते, फिर चॉकलेट देते, लेकिन सोमवार को एक अलग ही वाकया हुआ। बच्ची से मुख्यमंत्री के संवाद को देख सभी ने योगी के बालमन की तारीफ की तो बच्ची की हाजिर जवाबी पर मुस्कुरा उठे। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया।

'सिर्फ बयान देने से नहीं चलेगा काम, खुलकर साथ दे रूस'

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की पुतिन को चिट्ठी

रूस ने ईरान के मुद्दे पर अमेरिका के साथ सीधा टकराव में अभी तक रुची नहीं दिखाई है. पुतिन ने बार-बार अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है.

एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार (23 जून 2025) को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की. ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने के बाद से ही रूस अमेरिका की निंदा कर रहा है. क्रेमलिन में हुई मुलाकात के दौरान पुतिन ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ईरान के लोग समर्थन के लिए रूस पर भरोसा कर सकते हैं. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने अपने विदेश मंत्री अब्बास अराघची को एक लेटर पुतिन को देने के लिए कहा है, जिसमें खुलकर समर्थन करने की मांग की है. रूस अभी तक जिस तरह से समर्थन कर रहा है वो ईरान को पसंद नहीं आ रहा है. खामेनेई के लिखे पत्र में कहा गया है कि पुतिन इजरायल और अमेरिकी के खिलाफ और ज्यादा खुलकर आगे आएं और समर्थन करें. हालांकि तेहरान किस तरह की सहायता चाहता है ये अभी साफ नहीं हुआ है.रूस ईरान का पुराना सहयोगी है. वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो की मदद से ईरान की पश्चिम देशों के साथ परमाणु वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. पुतिन की सेना इस समय यूक्रेन में लगातार चौथे साल एक बड़ा युद्ध लड़ रहा है.

फोर्दो परमाणु केंद्र पर फिर से हुआ हमला तो ईरान ने इजरायल पर कर दी मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार, अमेरिका को भी दी चेतावनी

ईरान के फोर्दो स्थित भूमिगत यूरेनियम संवर्धन स्थल पर सोमवार को फिर से हमला किया गया और ईरान ने भी इजरायल पर मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी। साथ ही ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बड़े पैमाने पर किए गए हमलों के मद्देनजर अब उसकी सेना को अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की खुली छूट मिल गई है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र रविवार को हुए हमले में भी प्रभावित हुआ था और सोमवार को इस पर फिर से हमला किया गया। इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है कि हमला किसने किया

वहनीयता अब एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है: राष्ट्रपति मुर्मू

लेखांकन और जवाबदेही का संबंध गहरा है। कार्यक्रम में कॉर्पोरेट मामलों की सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों से प्रौद्योगिकी, नवाचार और तत्परता अपनाने का आग्रह किया।

एजेंसी

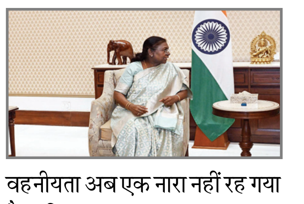

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि वहनीयता अब एक नारा नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के 12वें राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह 2025 में राष्ट्रपति ने यह बात कही। जलवायु परिवर्तन के संकट का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा, वहनीयता अब एक नारा नहीं रह गया है, बल्कि यह एक आवश्यकता बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय वह नहीं है कि कॉर्पोरेट संगठन केवल लाभ कमाने के उद्देश्य से काम करें बल्कि अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। मुर्मू ने कहा, इसमें आप (लागत लेखाकार) अपने कौशल से ग्रह के भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारों के मारे जाने तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए : असदुद्दीन ओवैसी

पाकिस्तान की तरफ से खतरा तब तक कम नहीं होगा जब तक उसकी सेना देश पर कब्जा जमाए रखेगी। वह आतंकी गुटों का समर्थन करती रहेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कामयाब न हो।

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारे मारे नहीं जाते।

आज रात 10 बजे इंडिया टीवी पर प्रसारित होने जा रहे रजत शर्मा के मशहूर शो 'आप की अदालत' में सवालों के जवाब देते हुए ओवैसी ने चेतावनी दी, अगर पाकिस्तान ने दोबारा हिमाकत की तो बहुत महंगा साबित होगा इस बार। ओवैसी ने कहा, अगर भारतीय सशस्त्र बल चाहते तो पाकिस्तान के सभी नौ एयरबेस को पूरी तरह तबाह कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ रनवे को निशाना बनाया। यह उनके लिए एक संदेश था कि यह तो बस ट्रेलर था और उन्हें सावधान रहना चाहिए। हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और दुश्मन को मैसेज मिल गया। यही वजह है कि उनके फोन कर सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई। जो सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे इस्लामी देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, ने कहाः पाकिस्तान हमेशा झूठ फैलाता है।

अरब देश होंगे अमेरिका और इजराइल का अगला निशाना : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की शर्तों को लेकर मीडिया के एक धड़े में आई खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मीडिया झूठ फैला रहा है।

एजेंसी

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को अरब देशों को चेतावनी दी कि इजराइल और अमेरिका का अगला निशाना वही होंगे क्योंकि उनके तेल और गैस पर दोनों देशों की नजर है। उन्होंने कहा, यह उनकी (अमेरिका की) लंबे समय से नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनना चाहिए। यहां तक कि क्षेत्र के सुन्नी देश भी इसके खिलाफ हैं, लेकिन उनमें बोलने का साहस नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां नवा-ए-सुबह में पार्टी की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, आज वे सोचते हैं कि ईरान पर हमला हुआ है, लेकिन मैं आपके माध्यम से उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि एक दिन इजराइल उन पर भी हमला करेगा।

तारीफ शशि थरूर ने फिर की प्रधानमंत्री की तारीफ, कांग्रेस असहज

पीएम मोदी भारत के 'प्राइम एसेट'...

एजेंसी

तत्काल सैन्य कार्रवाई निर्णायक थी, लेकिन उसके बाद का कूटनीतिक संपर्क वैश्विक धारणाओं को आकार देने और अंतरराष्ट्रीय समर्थन को मजबूत करने में समान रूप से, यदि अधिक नहीं तो, महत्वपूर्ण था।

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी एक बार फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है।

प्रधानमंत्री के लिए थरूर की प्रशंसा ऐसे समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। थरूर ने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू के लिए लिखे एक लेख में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद किया गया राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर थरूर के इस लेख को साझा किया और कहा, लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. शशि थरूर लिखते हैं: ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित वैश्विक पहुंच से सबक।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने थरूर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करने को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि तिरुवनंतपुरम से सांसद ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि प्रधानमंत्री मोदी का बहुआयामी व्यक्तित्व और वैश्विक पहुंच भारत के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी है। भंडारी ने कहा, शशि थरूर ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। लेख में थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक समर्थन की आवश्यकता है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर सैन्य अभियान के बाद भारत के रुख से अवगत कराने के लिए अमेरिका और चार अन्य देशों में गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख थरूर ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। इसने इस बात पुष्टि की है कि भारत एकजुट होने पर अपनी आवाज स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रख सकता है।

पुलिस अब अपने मूल कर्तव्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेगी: रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया और कहा कि यह परिवर्तन केंद्र के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन दृष्टिकोण और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में उसके प्रयास के अनुरूप है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि पुलिस को व्यवसायों को लाइसेंस जारी करने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिए जाने से अब पुलिस के पास अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे अपने मूल कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय होगा। उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस बड़े सुधार से पुलिस अब अपनी ऊर्जा और संसाधनों को वास्तविक पुलिस व्यवस्था के लिए समर्पित कर सकेगी। गुप्ता ने घोषणा की कि होटल, मोटल, अतिथिगृह, रेस्तरां, स्विमिंग पूल, ऑडिटोरियम, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर और मनोरंजन पार्क जैसे प्रतिष्ठानों को अब अपने संचालन के लिए दिल्ली पुलिस से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके बजाय, ऐसे लाइसेंस जारी करने का अधिकार अब स्थानीय निकायों जैसे दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) या दिल्ली छावनी बोर्ड के पास होगा।

सम्पादकीय

हर स्तर पर जरूरी जल संरक्षण, मानसूनी वर्षा जल को सहेजना जरूरी

छोटी नदियों को स्थानीय तालाब-जोहड़ से जोड़ा जाना चाहिए। इन सभी स्थानों पर पौधरोपण होना चाहिए। नदियों के किनारे गहरे भूजल रीचार्ज की व्यवस्था होनी चाहिए। शहरों में बड़ी इमारतों में रीचार्ज पिट का निर्माण किया जाना चाहिए। जाहिर है इसके लिए बहुत से विभागों का समन्वित और एकजुट प्रयास जरूरी होगा। देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश 106 प्रतिशत रह सकती है। वहीं जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। बारिश अचानक कुछ घंटे में इतनी हो जाती है कि आनंद त्रासदी में बदल जाता है और फिर जैसे ही बादल विदा हुए वह इलाका पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने लगता है। तिस पर अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा प्रभाव होगा। देश में हमारे पूर्वजों ने इस तरह की जल-निधियां विकसित की थीं, जो न्यूनतम बरसात में लोगों की जल जरूरतों को पूरा करने में सक्षम थीं, लेकिन आधुनिकता की आंधी में हमने ही अपनी समृद्ध विरासतों को बिसरा दिया। ये लोक परंपराएं न केवल पानी की कमी से निपटने और मानसून की तैयारी करने के व्यावहारिक तरीका थीं, बल्कि सामाजिक बंधनों को मजबूत करने, प्रकृति के प्रति सम्मान जगाने और पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान और संस्कृति को हस्तांतरित करने का माध्यम भी थीं। यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्त्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अतिरिक्त पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप लगाए जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूजल का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्त्रोतों-तालाब, कुएं, बावड़ी की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। हमारे देश में औसतन 1170 मिमी पानी सालाना आसमान से नियामत के रूप में बरसता है। देश में कोई पांच लाख 87 हजार के आसपास गांव हैं। यदि औसत से आधा भी पानी बरसे और हर गांव में महज 1.12 हेक्टेयर जमीन पर तालाब बने हों तो देश की कोई एक अरब 30 करोड़ आबादी के लिए पूरे साल पीने एवं अन्य प्रयोग के लिए 3.75 अरब लीटर पानी आसानी से जमा किया जा सकता है।

आज का विचार

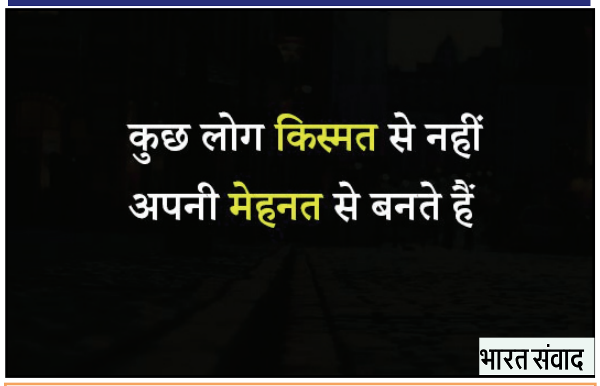

मेष राशि : आज पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें. भविष्य के लिए बनाई योजनाओं पर भी आज कुछ सोच-विचार कर सकते हैं. अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद भी मिलेगी. जीवन में अपने परिवार, दोस्तों और जीवनसाथी की भूमिका को पहचानेंगे.

वृष राशि: आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा. निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके मिल सकते हैं. नए विचार आपके सामने आते रहेंगे. आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए दिन बहुत अच्छा है. आज आप पूरा ध्यान अपनी जिमेदारियों पर रखें. हर काम जोश से पूरा करने की कोशिश करें. आपकी कोशिशें जल्द ही रंग ला सकती हैं. अगर आज किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं.

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा. आज आपका मन नए काम करने में लगेगा. बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं. आज अपने कामकाज को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. पार्टनर से प्यार और सहयो मिलेगा.

कर्क राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है. आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें. आज आप जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं. इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल सकते हैं. आज ऑफिस में पुराने कामकाज निपटाने में सफल रहेंगे.

सिंह राशि: आज का दिन अच्छा रहेगा. आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा. बिजनेस में परिवार से सहयोग मिलेगा. वर्क प्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें. अपने करियर को लेकर मन में दुविधा होगी, लेकिन जल्द ही वह सॉल्व भी हो जाएगी.

कन्या राशि : आज आपका मन घर और ऑफिस की दुनिया से बाहर निकाल कर प्रकृति का आनंद लें. आर्थिक रूप से पुरानी बहुमूल्य चीजों के मोलभाव पर लाभ होगा अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए भी आज का दिन अच्छा है.

तुला राशि: आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे. आज आप कुछ ज्यादा ही जोश में रहेंगे. आपके बनाए प्लान में कोई बदलाव हो सकता है. बिजनेस में कुछ नया करने की इच्छा होगी. दिल की बजाए दिमाग से काम लें. व्यापार में आर्थिक लाभ होने से कर्ज से छुटकारा मिलेगा.

वृश्चिक राशि: आज प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा. बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी. धन लाभ का योग बन रहा है. समाज कल्याण की तरफ भी आपका रुझान होगा. शत्रु आपको हराने का प्रयास करेंगे, लेकिन आपके सम्मुख ठहर नहीं सकेंगे.

धनु राशि: आज आपका रुझान अध्यात्मक की तरफ ज्यादा रहेगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी. आज पड़ोसियों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा. शिक्षा प्रतियोगिता में आपको सफलता मिलेगी.

मकर राशि: आज कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ करेंगे. आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है, जिससे आपका आज का दिन अच्छा रहेगा. अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाए रखें. छात्रों के लिए भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है.

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा. आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे. कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी.

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्वक रहेगा. आज कोई भी शुभ कार्य करेंगे और साथ ही मांगलिक कार्य भी करेंगे.

संतान के करियर के लिए मन में चिंताएं बनी रहेंगी. दोस्तों के साथ बाहर मौसम का लुफ्त उठा सकते हैं. पूरा दिन इंज्वाय से भरा रहेगा. सरकारी ऑफिस में काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अमेरिका की दबंग कूटनीति का दौर, भारत समेत पूरी दुनिया की इस पर है नजर

> राजशाही के विरोधी वामपंथी मुजाहिदीन-ए-खल्क की छवि ईरान-इराक युद्ध में इराक के समर्थन के कारण खराब है और कुर्द और बलोच गुटों का जनाधार केवल सीमावर्ती प्रांतों तक सीमित है।

पश्चिम एशिया में धौंस की कूटनीति का एक खतरनाक दौर शुरू हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान की मुल्लाशाही(मुल्लाओं यानी मजहबी नेताओं का शासन) को आर्थिक प्रतिबंधों में रियायत का प्रलोभन देकर परमाणु शक्ति और मिसाइल तकनीक की महत्वाकांक्षा को तिलांजलि देने के सौदे पर तैयार करने में लगे थे। तभी इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यकायक नाटकीय तरीके से हमला करके ईरान की सेना और परमाणु शक्ति के शीर्ष नेतृत्व का सफाया कर दिया। हमले पर ट्रंप की आरंभिक प्रतिक्रियाएं देखकर लगा कि अपने कूटनीतिक प्रयासों के बीच इजरायल का कूद पड़ना उन्हें अच्छा नहीं लगा, पर जैसे ही उन्हें इजरायली हमलों की नाटकीय कामयाबी का अहसास हुआ तो उन्होंने इजरायल को रोकने की जगह उसकी कामयाबी की बात करना और ईरान से समर्पण करने की मांग करना शुरू कर दिया। एक तरफ वे ईरान को दो हफ्तों का समय देने की बात कर रहे थे और दूसरी तरफ दिएगो गार्सिया में अपने बी2 बमवर्षक विमानों को हमलों के लिए तैयार कर रहे थे। झांसा देकर वार करना ट्रंप की शैली है, जिसका वर्णन उन्होंने अपनी चर्चित पुस्तक ह्यद आर्ट आफ द डीलह्ण में किया है। ईरान को दो हफ्तों के झांसे में रखकर फोर्डो, नतांज और इस्फहान के परमाणु संयंत्रों पर बम बरसा दिए। ट्रंप ने फोर्डो समेत ईरान के परमाणु केंद्रों को ध्वस्त करने का दावा करते हुए धमकी दी है कि यदि ईरान अब भी समझौते के लिए राजी नहीं हुआ तो और विनाशकारी हमले

किए जाएंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने भी ट्रंप के सुर में सुर मिलाते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विश्व के लिए गंभीर खतरा बताया। ईरान ने जवाब में इजरायली शहरों पर मिसाइलों की बरसात शुरू कर दी है, लेकिन इसके बावजूद वहां लोग जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लिए तो यह उनके राजनीतिक करियर की सबसे कामयाब घड़ी है, पर अमेरिका के भीतर इस हमले को लेकर जनमत बुरी तरह बंटा हुआ है। दूसरे देश पर हमला करने के लिए राष्ट्रपति को अमेरिकी संसद का अनुमोदन लेना जरूरी होता है। इराक पर हमले से पहले दोनों बुश राष्ट्रपतियों ने कांग्रेस का अनुमोदन लिया था। इसलिए अमेरिकी सांसदों-सीनेटरों का एक वर्ग ट्रंप के लड़ाई में उतरने से नाराज है। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का मागाह्ण धड़ा इससे नाराज है कि उन्होंने अमेरिका को युद्धों में न उलझाने के चुनावी वादे को तोड़कर इजरायल की लड़ाई में पांव फंसा लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी मिश्रित प्रतिक्रिया मिल रही है। यूरोप और पश्चिम एशिया के देश जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खतरा कम होने और समझौते की संभावना प्रबल होने का स्वागत करेंगे, वहीं अमेरिकी हमले की वैधता की निंदा होगी। रूस और चीन समेत दुनिया के दूसरे देश कूटनीति का रास्ता छोड़कर दूसरे देश की प्रभुसत्ता के उल्लंघन की निंदा करेंगे। अमेरिका-इजरायल के साथ-साथ ईरान के साथ भी घनिष्ठ संबंध होने के कारण भारत के लिए यह हमला धर्मसंकट खड़ा करता है। भारत यह तो चाहेगा कि ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोका जाए, पर उसके लिए उसकी प्रभुसत्ता का अतिक्रमण करने की हिमायत कभी नहीं कर सकता। दिलचस्प यह भी है कि ईरान 1968 से ही परमाणु अप्रसार संधि या एनपीटी का सदस्य है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी उसकी परमाणु गतिविधियों पर नजर रख सकती है। जबकि इजरायल परमाणु शक्ति होते हुए भी एनपीटी का सदस्य नहीं है। यानी एक तरह से एक चोर जज और सिपाही बना बैठा है। इस संदर्भ में इजरायल का तर्क रहा है कि दशकों से परमाणु शक्ति होने के बावजूद उसने न कभी किसी दूसरे देश को मिटाने की धमकी दी और न ही परमाणु प्रसार किया है। जबकि ईरान की मुल्लाशाही अक्सर इजरायल के सर्वनाश की बात करती रहती है। हालांकि यह तर्क ईरान से अधिक तो पाकिस्तान पर लागू होता है, जिसके प्रसार की बदौलत आज ईरान परमाणु शक्ति बनने के कगार पर है। फिर भी अमेरिका ने वैसी तत्परता पाकिस्तान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने में नहीं दिखाई जैसी वह ईरान को रोकने में दिखा रहा है। अब भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर है कि ईरानी मुल्लाशाही अमेरिका के हमले का कब और क्या जवाब देती है। उसने इजरायल पर हमला बोल ही दिया। वैसे उनके पास तीन विकल्प हैं। इराक, यमन और लेबनान में फैले हमास और हाउती जैसे शिया मिलिशिया से अमेरिकी ठिकानों और जहाजों पर हमले कराए और होरमुज जलसंधि में बारूदी सुरंगे बिछाकर उसे बंद कर दे। वह खाड़ी देशों के तेल और गैस ठिकानों को भी निशाना बना सकता है, जिससे तेल और गैस की कीमतें आसमान छू सकती हैं। हालांकि सऊदी और यूएई ने लाल सागर तटों तक तेल और गैस की पाइपलाइनें बिछा कर सप्लाई का वैकल्पिक रास्ता बना रखा है, लेकिन बाजार जोखिम और धारणा के आधार पर दाम तय करते हैं। 1979-80 में इस्लामी क्रांति होने भर से तेल के दाम तिगुने हो गए थे। यदि ऐसा हुआ तो भारत ही नहीं पूरे विश्व की आर्थिकी के लिए संकट खड़ा हो जाएगा। दूसरा विकल्प अमेरिका की शर्तें मानकर समझौता करने का है, जिसके लिए ईरानी लोग शायद सरकार को कभी माफ न करें, क्योंकि ईरान का परमाणु कार्यक्रम राजशाही के जमाने का है और उसे ईरान के अस्तित्व से जोड़कर देखा जाता है। तीसरा विकल्प अमेरिका और इजरायल के वार झेलते हुए सद्दाम हुसैन और बशर अल-असद की तरह संकट की घड़ी टलने का इंतजार करने का है। ईरान के पास साढ़े तीन लाख सेना के साथ ही लगभग उतनी ही बड़ी तादाद में क्रांतिकारी गार्ड और बसीज स्वयंसेवकों के दस्ते हैं, जिनके सहारे वे संभावित विद्रोह को दबाए रख सकते हैं। ईरान में राजशाही को समाप्त हुए दो पीढ़ियां बीत चुकी हैं। इसलिए उनका जनाधार नहीं बचा है। राजशाही के विरोधी वामपंथी मुजाहिदीन-ए-खल्क की छवि ईरान-इराक युद्ध में इराक के समर्थन के कारण खराब है और कुर्द और बलोच गुटों का जनाधार केवल सीमावर्ती प्रांतों तक सीमित है। प्रबल और संगठित विपक्ष के न रहने के कारण मुल्लाशाही के लिए इजरायली-अमेरिकी हमलों से जगे राष्ट्रवाद की भावना के सहारे सत्ता में बने रहना कठिन नहीं होगा।

आनलाइन गेमिंग: संयम और जागरूकता आवश्यक

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

आज आनलाइन गेमिंग युवाओं के जीवन का एक बड़ा हिस्सा बन गया है। जहां इसके कुछ सकारात्मक पहलू हैं, वहीं इसका स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव पड़ रहा है।

नकारात्मक शारीरिक स्वास्थ्य

गतिहीन जीवनशैली तथा लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, मांसपेशियों में अकड़न, पोस्चर खराब होना गर्दन और पीठ दर्द, हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। आँखों पर दबाव ,स्क्रीन की नीली रोशनी और लगातार फोकस से आँखों में थकान, सूखापन और धुंधली दृष्टि, डिजिटल आई स्ट्रेन, के प्रकरण हो चुके है।

नींद में खलल, गेमिंग, खासकर रात में, नींद के पैटर्न को बुरी तरह प्रभावित करती है। नीली रोशनी मेलाटोनिन ,नींद के हार्मोन के उत्पादन को रोकती है, जिससे नींद न आना या खराब नींद होती है। इससे थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी आती है। लंबे गेमिंग सत्रों के कारण खान पान अनियमित हो जाता है और युवा जंक फूड पर निर्भर हो जाते हैं या भोजन छोड़ देते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य

गेमिंग की नशे जैसी लत के कारण गेमिंग डिसऑर्डर देखने को मिलता है। कुछ युवा गेमिंग के कारण स्वयं पर नियंत्रण खो देते हैं, जिससे पढ़ाई, रिश्ते और दैनिक जिम्मेदारियाँ प्रभावित होती हैं। यह चिंता, अवसाद और अलगाव की भावना पैदा करती है। प्रतिस्पर्धी दबाव, ऑनलाइन उत्पीड़न साइबरबुलिंग, या सोशल मीडिया से तुलना करने से चिंता और आत्मसम्मान की उपेक्षा बढ़ती है।

आवेग नियंत्रण में कमी आती है। कुछ अध्ययनों में हिंसक गेम्स और आवेगी व्यवहार या क्रोध के बीच संबंध देखा गया है। वास्तविक दुनिया से पलायन करने की आदत हो जाती है। ज्यादा गेमिंग वास्तविक समस्याओं से निपटने के बजाय उनसे बचने का माध्यम बन जाती है। आमने-सामने, मिलने जुलने और सामाजिकता में कमी होती है। ऑनलाइन दोस्ती के बावजूद, वास्तविक दुनिया में मिलने-जुलने और सामाजिक कौशल विकसित करने का समय कम होता है।

साइबरबुलिंग ,ऑनलाइन गेमिंग समुदायों में उत्पीड़न, नस्लवाद या लिंगभेद का सामना बढ़ता है, जिसका मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

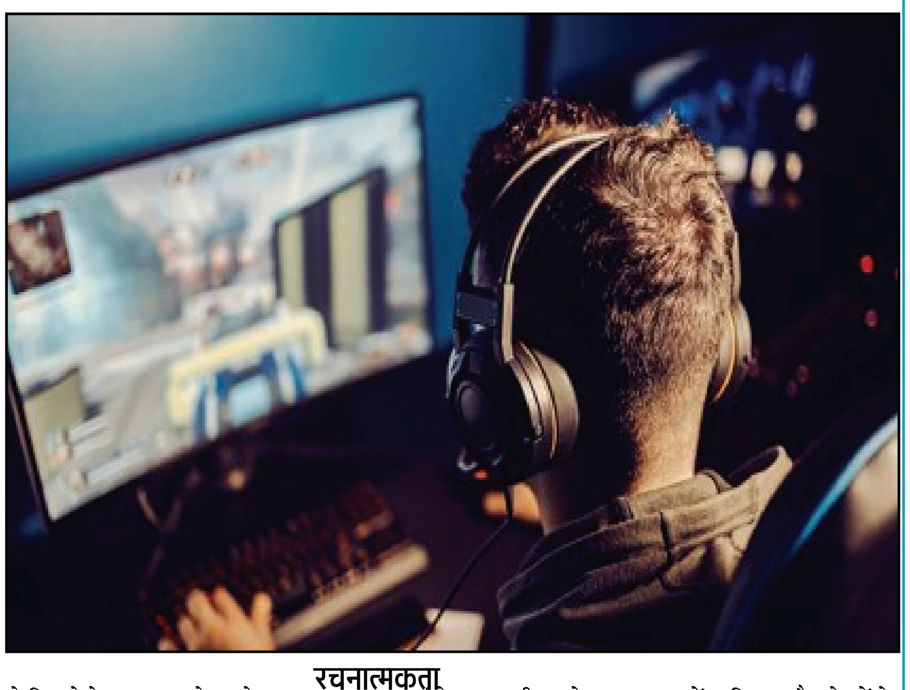

सकारात्मक प्रभाव

गेमिंग के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी होते हैं। कौशल विकास होता है। कुछ गेम्स समस्या-समाधान, रणनीतिक सोच, त्वरित निर्णय लेने, हाथ-आँख के समन्वय और स्थानिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

ऑनलाइन गेम्स टीम वर्क, सहयोग और संचार कौशल विकसित करने का मंच प्रदान कर सकते हैं। वे दुनिया भर के लोगों से जुड़ने और मित्रता करने में मदद कर सकते हैं विशेषकर उनके लिए जिन्हें सामाजिकरण में कठिनाई होती है।

रचनात्मकता

कई गेम्स कहानी कहने, संसाधन प्रबंधन और यहाँ तक कि ऐतिहासिक या वैज्ञानिक अवधारणाओं के बारे में सीखने को प्रोत्साहित करते हैं। कुछ गेम्स में रचनात्मक निर्माण तत्व भी होते हैं।

तनाव से राहत

आनलाइन गेमिंग से मनोरंजन सुनिश्चित होता है। संयमित रूप से खेलने पर गेम्स मनोरंजन, आराम और तनाव कम करने का एक प्रभावी साधन हो सकते हैं।

इसलिए स्वस्थ संतुलन बनाएँ , समय सीमा तय करें, प्रतिदिन गेमिंग का स्पष्ट समय निर्धारित करें और उसका पालन करें।

शारीरिक गतिविधियों को प्राथमिकता दें, नियमित व्यायाम और बाहरी गतिविधियों के लिए समय अवश्य निकालें। नींद पूरी करें , सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन बंद कर दें। अच्छी नींद की आवश्यकता समझें। स्वस्थ भोजन जरूर लें । नियमित, संतुलित भोजन करें। गेमिंग के दौरान जंक फूड से बचें। वास्तविक दुनिया के संबंध बनाए रखें, परिवार और दोस्तों के साथ आमने-सामने समय बिताने को प्राथमिकता दें। सुरक्षा और सकारात्मकता आवश्यक होती है। सकारात्मक और सम्मानजनक बातचीत करें। जागरूकता और संवाद बनाए रखें । माता-पिता को गेमिंग की दुनिया के बारे में जानना चाहिए और अपने बच्चों से इसके अनुभवों के बारे में खुलकर बात करनी चाहिए। संभावित नुकसान के संकेतों जैसे व्यवहार में बदलाव, स्कूल के काम में गिरावट, पर नजर रखें। आनलाइन गेमिंग सदैव बुरी नहीं है पर संयम और जागरूकता महत्वपूर्ण है। जब गेमिंग अन्य जीवन गतिविधियों शारीरिक व्यायाम, पढ़ाई, परिवार, दोस्त, पर्याप्त नींद को प्रभावित करने लगे, तो यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाती है। युवाओं को स्वस्थ डिजिटल आदतें विकसित करने में मदद करना और गेमिंग को जीवन का एक संतुलित हिस्सा बनाना ही इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने और सकारात्मक पहलुओं का लाभ उठाने की कुंजी है।

विश्व युद्ध की आहट : इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका का दखल

संजीव ठाकुर

ईरान-इजरायल और अमेरिका के ट्रायंगल ने नया मोड़ ले लिया है। इजरायल ईरान युद्ध के तनाव को अमेरिका की एंट्री ने और बढ़ा दिया है। इजरायल ईरान के भीषण युद्ध में जहां इसराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान सहित ईरान के सत्ता प्रमुख आयतुल्लाह खेमनेइ को खत्म करने की ठान ली है। वहीं ईरान ने जवाबी हमले में तेल अबिब के गैस और तेल के ठिकानों सहित स्टॉक एक्सचेंज, अस्पताल सहित अनेक नागरिक केंद्रों को बर्बाद कर दिया है। ईरान की टारगेटेड मिसाइल को इसराइल रोक पाने में असफल रहा है, वैसे अब इजरायल के पास ईरान को रोकने के लिए उतने अस्त्र-शास्त्र शेष नहीं बचे क्योंकि विगत एक साल से ज्यादा उसकी लड़ाई हमास, हिजबुल और हूती विद्रोहियों के साथ गाजा पट्टी तथा फिलिस्तीन पर चल रही है। अब इजराइल में वह दम-खम नहीं रहा जिसके लिए वह जाना जाता है। जबकि ईरान के पास अभी सैकड़ों मिसाइल्स का भंडार बचा हुआ है जिसके दम पर वह इसराइल के शहरों में ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इसराइल ने इन परिस्थितियों में अमेरिका से ईरान पर हमले की गुजारिश भी की थी, और अमेरिका ने बीती रात अपने सबसे खतरनाक एयर स्ट्राइकर से ईरानी परमाणु ईंधन केंद्रों जिनमें प्रमुख फोर्दो, नतांज और इस्फहान हैं जिनके गहरे बंकरों में वह परमाणु ईंधन छुपा कर रखता है पर हमला कर दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार इनमें एक फोर्दो सबसे बड़ा परमाणु ईंधन भंडारण जो पूरी तरह तबाह हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले की पुष्टि भी कर दी है उन्होंने अपने मीडिया हैंडल में लिखा है कि हमने इन तीन परमाणु भंडारण केंद्र में हमले कर उसे तबाह करने की कोशिश की है और हमारे दोनों फाइटर प्लेन सुरक्षित वापस अमेरिका आ चुके हैं डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि व? हमले हो सकते हैं इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति का रास्ता हमले से गुजर कर होकर जाता है। हीरा की सट्टा प्रमुख ने इसके जवाब में कहा है कि हमले रुकेंगे नहीं और अब शांति प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि मिडिल ईस्ट में इसराइल के अलावा किसी के पास परमाणु बम नहीं है वैसे तो घोषित तौर पर इजरायल के पास भी परमाणु बम नहीं है पर रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि इसराइल ने परमाणु बम बना लिया है एवं वह इस दुनिया के सामने इसकी घोषणा नहीं करता है। इन परिस्थितियों में ईरान अमेरिका तथा इजरायल के सामने अलग-थलग पड़ गया है इसका एक बड़ा कारण मिडिल ईस्ट में शिया तथा सुन्नी समुदाय का आंतरिक विरोध भी है। पिछले 36 साल से ईरान पर शासन कर रहे आयतुल्लाह खेमनई ने शिया सुन्नी विवाद को बहुत आगे बढ़ा दिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों को परेशान भी किया है ऐसे में सारे मुस्लिम देश इसराइल तथा अमेरिका के विरोध में एकत्र नहीं हो पाए। गौरतलब है कि इसराइल ने ईरान के 11-12 प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों तथा उसके सबसे ताकतवर सैन्य कमांडरों की मिसाइल हमले से हत्या भी कर दी है ऐसे में ईरानी प्रमुख के पास वर्तमान में सेना को नेतृत्व करने वाले कमांडरों की कमी हो गई है और उसके परमाणु प्रोग्राम का भविष्य भी चौपट हो गया है। रही-सही कसर अमेरिका के लड़ाकू विमान ने परमाणु ईंधन भंडारण ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर पूरा कर दिया है। ईरान भी युद्ध के शुरूआती दौर में पाकिस्तान के भरोसे परमाणु हमले की धमकी दे रहा था पर पाकिस्तान के सो- कॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप की लंच पॉलिटिक्स में उलझ कर उसके खेमे में जाकर ईरान का साथ देने से साफ इनकार कर दिया हैं। पाकिस्तान अमेरिका को अपने दो ऐसे एयर-बेस जो ईरान के एकदम नजदीक हैं को इस लड़ाई में उपयोग करने हेतु देने में सहमत हो गया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में 50 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी, सेतु निगम, यू0पी0 सिड़को, यू0पी0 पी0सी0 एल0 यू0पी0 आर0 एन0 एस0एस0, आवास-विकास परिषद, सी0 एण्ड0 डी0एस0, राजकीय निर्माण निगम, उ0प्र0 जल निगम ग्रामीण सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओं के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं से उनसे सम्बंधित प्रत्येक प्रोजेक्ट की भौतिक प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जो भी निर्माण कार्य चल रहे है, वे सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण हो। जिलाधिकारी ने पूर्ण हुए भवनों/निर्माण कार्यों की थर्ड पार्टी से जांच अनिवार्य रूप से कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि मानक के अनुसार ही सभी कार्यों के पूर्ण होने के बाद हस्तातंरण की कार्यवाही पूर्ण किये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जो प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके है और यदि उनमें कुछ कमियां रह गयी है, तो उन्हें अविलम्ब दूर कराकर उसकी हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित की जाये। जिलाधिकारी ने आवास-विकास के परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि उनसे सम्बंधित आठ परियोजनाएं है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वृक्षारोपण की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

वृक्षारोपण के सम्बंध में 26 जून तक सम्बंधित अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने पौधरोपण से सम्बंधित लक्ष्य को समय से पूर्ण करने के दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण के पश्चात उनकी जिओ टैगिंग कराकर हरितिमा एप पर अवश्य अपलोड करने के दिए निर्देश
- प्रकृति का संरक्षण हमारा मुख्य धर्म- जिलाधिकारी

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में सोमवार को सर्किट हाउस के सभागार में वृक्षारोपण की तैयारियों के सम्बंध में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि प्रकृति हमारी मां है, उसकी सेवा करना हमारा मुख्य धर्म है। अतः इस कार्य को सिर्फ विभागीय जिम्मेदारी के रूप में नहीं बल्कि प्रकृति के संरक्षण हेतु महोत्सव के रूप में मनाते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगो को वृक्षारोपण हेतु जागरूक करते हुए वृक्षारोपण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने बैठक से अनुपस्थित सभी अधिकारियों को उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने जुलाई में होने वाले वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु की गयी तैयारियों के सम्बंध में उपस्थित सभी अधिकारियों से उनके द्वारा वृक्षारोपण हेतु चिन्हित स्थलों, चिन्हित स्थल की एरिया, वृक्षारोपण हेतु लक्ष्य के सापेक्ष खोदे गये गड्ढ़ों की संख्या, प्रत्येक चिन्हित स्थल पर कितना वृक्षारोपण होगा आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए वृक्षारोपण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्थानीय नर्सरी से समन्वय कर अच्छे गुणवत्ता के बड़े पौधों की उठान कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को 26 जून तक उनके द्वारा की गयी तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट फोटोग्राफ सहित मुख्य विकास अधिकारी व प्रभागीय वनाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों से वृक्षारोपण के पश्चात उनकी जिओ टैगिंग कराकर हरितिमा एप पर अवश्य अपलोड किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। पौधों की उचित देखभाल न होने से उनके एक स्थान पर एक साथ सुखने की शिकायत प्राप्त होने पर सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम सचिव की जिम्मेदारी तय की जायेगी।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा धर्मपरिवर्तन के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त व 01 बालअपचारी गिरफ्तार/हिरासत

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 22.06.2025 को वादी विनय प्रताप सिंह पुत्र लल्लन सिंह निवासी भतड़ा थाना जिगना जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध बहला-फुसला कर धर्म परिवर्तन करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल मु0अ0सं0-208/2025 धारा 3/5(1) उ.प्र.विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. 2021 पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 23.06.2025 को उप-निरीक्षक आनन्द शंकर सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पुत्र कल्लू निवासी डेगहा कलना गहरवार थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर सहित 01 नफर बाल अपचारी को गिरफ्तार/हिरासत में लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल/बाल किशोर गृह भेजा गया ।

थाना पड़री पुलिस द्वारा 340 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 23.06.2025 को उपनिरीक्षक शिवानन्द यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना पड़री क्षेत्रांतर्गत ग्राम कपसौर के पास से एक नफर अभियुक्त ओम प्रकाश पुत्र मदीना निवासी टेढ़ा थाना पड़री जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 340 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना पड़री पर मु0अ0सं0-105/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना चील्ह पुलिस द्वारा 1 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 23.06.2025 को उपनिरीक्षक राम कृपाल यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चील्ह क्षेत्रांतर्गत ग्राम गोबरहा के पास से एक नफर अभियुक्त संजय सिंह उर्फ कंकण सिंह पुत्र स्व0 धर्मराज सिंह निवासी ग्राम अनिरूद्धपुर पश्चिम पट्टी थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 1 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया ।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल में फ्रेट कस्टमर मीटिंग का आयोजन

माल लदान में वृद्धि हेतु रेलवे और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच हुआ सार्थक संवाद

भारत संवाद

प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल में आज मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में फ्रेट कस्टमर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य साइडिंग प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर माल लदान को बढ़ावा देना और उनके सुझावों व समस्याओं पर विचार करना रहा।श्री अतुल यादव, वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) / प्रयागराज ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए रेलवे के साथ उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में साइडिंग से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि माल लदान में वृद्धि हेतु नियमित समीक्षा व फॉलोअप प्रक्रिया को और तेज किया जाए, जिससे समयबद्ध व पारदर्शी सेवाएँ सुनिश्चित की जा सकें। बैठक से यह विश्वास व्यक्त किया गया कि प्रयागराज मंडल भविष्य में माल ढुलाई के लक्ष्यों को पार करने में सक्षम होगा।इस अवसर पर मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) श्री संजय सिंह, वरि. मंडल परिचालन प्रबंधक (फ्रेट व सामान्य), वरि. मंडल इंजीनियर (साम), उप मुख्य यातायात प्रबंधक (कानपुर एवं टूण्डला), वरि. मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ एंड एफ), वरि. मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), वरि. मंडल वित्त प्रबंधक एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक (फेट) प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली जगन्नाथ यात्रा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग का किया गया निरीक्षण

भारत संवाद

आज दिनांक 23-06-2025 को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा० महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली जगन्नाथ यात्रा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पार्षद नीरज गुप्ता, श्री महेश कुमार नगर स्वास्थ्य अधिकारी, अनिल कुमार मौर्या, अधिशाषी अभियन्ता, डम्बर सिंह सहायक अभियन्ता, सौरभ सहायक अभियन्ता विधुत, पूजा सिंह, बाजपेई सफाई निरीक्षक, सम्बन्धित क्षेत्रों के विद्युत विभाग अवर अभियन्ता एवं जगन्नाथ रथ यात्रा कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। पदाधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि नेता नगर चौराहे पर दो बड़े गढढे है तथा सम्पूर्ण मेला मार्ग पर वर्षा के कारण सड़के क्षतिग्रस्त हो गयी है व रोड के किनारे स्थित पेड़ की डाल बढ़ गयी है जिसे यात्रा से पूर्ण छटाई इत्यादि किया जाना नितान्त आवश्यक है। नेता नगर चौराहे पर विधुत विभाग द्वारा गढ्ढा किया गया पाया गया। इसके अतिरिक्त शंकर लाल भार्गव रोड के दोनों ओर पटरी पर कूड़ा मलवा के ढेर पाये गये। पी०डी०ए० द्वारा स्थापित की गयी मार्ग प्रकाश व्यस्था के जनसन बाक्स खुले पाये गये जिससे कि दुर्घटना हो सकती है इसी प्रकार कोठापार्चा व अन्य मार्गो पर भी गन्दगी पायी गयी तथा पी०डी०ए० द्वारा स्थापित जनसंनबाक्स खुले हुये पाये गये। कोठापार्चा से आर्य कन्या को जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण कर नाली बन्द कर रखी पायी गयी। सत्ती चौरा, ए०डी०सी०कालेज, नन्दी कार्यालय के सामने व अन्य स्थानों पर पेड़ की डालियाँ बढ़ी हुयी पायी गयी। सत्ती शाह चौराहा, मुट्ठीगंज चौराहा व अन्य स्थानों पर विधुत तार नीचे लटके पाये गये। निरीक्षण के दौरान नीरज गुप्ता पार्षद द्वारा बताया गया कि माया प्रेस के पास स्थित नाले की सफाई का कार्य नहीं हुआ जिस कारण थोड़ी सी वर्षा होने पर जल भराव हो रहा है। मा० महापौर द्वारा सम्बन्धित उपस्थित अधिकारी को निर्देश दिये गये कि यात्रा के पूर्व यात्रा मार्गो पर लटके तारों को ऊँचा करने का कार्य, मार्गो पर समुचित सफाई, मलवा / कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव, लीकेज, सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य, पैच वर्क, चोक सीवर / नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ब्रह्मसमाज सेवा समिति, प्रतिष्ठानपुर, प्रयागराज की बैठक नई झूसी के क्षेत्रीय में संपन्न

भारत संवाद

झूसी। ब्रह्मसमाज सेवा समिति, प्रतिष्ठानपुर,प्रयागराज की बैठक नई झूसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री राजेश पांडेय जी के नई झूसी आवास पर संस्थाध्यक्ष डॉ०बिजेन्द्र तिवारी विजयानन्द की अध्यक्षता एवं महामंत्री अभयनारायण तिवारी जी के संचालन में संपन्न हुई। वैदिक मंत्रों से शुभारंभ श्री रमेश त्रिपाठी बेस ने किया। वर्ष -2024-25 का आय-व्यय कोषाध्यक्ष देवराज शुक्ल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष ने कहा कि स्मारिका हेतु आलेख ,विज्ञापन, मानकों पर छात्र-छात्राओं के प्रमाण पत्र, वयोवृद्धों के निर्वाचन कार्ड/आधार कार्ड की छायाप्रति 30 अगस्त 2025 तक कार्यालय में जमा करा दें। कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार विष्णु प्रभाकर, बालकृष्ण भट्ट जी की जयंती एवं कौशांबी के आत्म बलिदानी रामबाबू तिवारी जी को दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सर्वश्री संकठा प्रसाद शुक्ल,ज्योतिशंकर चौबे,कृष्णमोहन तिवारी, विजयशंकरत्रिपाठी ,कमलाकांत शुक्ल, अनिल कुमार मिश्र,आनन्द कुमार त्रिपाठी ,चिन्तामणि मिश्र, अवधनारायण मिश्र, इन्द्रमणि मिश्र,राजेश पांडेय, त्रिभुवन पांडेय आदि ने भी अपने सुझाव देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वागताध्यक्ष राजेश पांडेय जी ने सभी का आभार प्रकट किया।

सिद्धपीठ श्री हनुमान मन्दिर महावीरगंज पर शिव विवाह व प्रसाद वितरण का हुआ भव्य आयोजन

डोली शर्मा संवाददाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ । महानगर के सिद्ध पीठ श्री हनुमान मंदिर महावीरगंज पर शिव विवाह के कार्यक्रम का बहुत ही सुंदर आयोजन किया गया जहां भगवान भोलेनाथ,राधा कृष्ण व अन्य सुंदर-सुंदर झांकियों के साथ भक्तों ने भगवान भोलेनाथ की पावन कथा का रसपान किया और बाबा के भजनो पर जमकर नृत्य किया ।शिव कथा के दौरान पूरा मंदिर प्रांगण हर हर महादेव के जयकारो से गूंज उठा ।इसके बाद आरती व प्रसाद वितरण हुआ ।इस दौरान सैकड़ो भक्तो ने बाबा के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया ।शिव विवाह और प्रसादी कार्यक्रम के मुख्य यजमान डौली धर्मेंद्र वार्ष्णेय व हर्षिका और यश वार्ष्णेय रहे। वहीं मंदिर के महंत अजय शुक्ला ने बताया कि मंदिर प्रांगण मे ऐसे ही कार्यक्रम आने वाले जुलाई और अगस्त माह में प्रतिदिन हुआ करेंगे ।कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की यजमान की व्यवस्था हर रोज अलग अलग होगे ।खास बात ये है कि मंदिर के कार्यक्रम में शशि गुप्ता और अक्षय गुप्ता का भी विशेष सहयोग रहा।

प्रेमी युगल के बयान के दौरान तहसील परिसर में हंगामा पुलिस ने किया हस्तक्षेप

भारत संवाद / हर्षित मिश्रा , कौशांबी

सिराथू तहसील परिसर में सोमवार को उस समय हंगामा मच गया जब प्रेमी युगल रोहित कुमार और सीबा खान उर्फ कोमल के मजिस्ट्रेट बयान के लिए पहुंचने पर लड़की के परिजनों ने विवाद शुरू कर दिया। रोहित कुमार, पुत्र बच्चा लाल, निवासी ग्राम गराई, और सीबा खान उर्फ कोमल, पुत्री इरशाद अहमद, निवासी ग्राम बनपुकरा, दोनों चौकी सिराथू, थाना सैनी, जनपद कौशांबी के निवासी हैं ।जानकारी के अनुसार, दोनों 8 जून को घर से भाग गए थे। सीबा खान ने अपना नाम कोमल रख लिया और हिंदू धर्म अपनाने का दावा किया। सोमवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान के लिए पहुंचे युगल के साथ लड़की के परिजनों ने तीखी झड़प शुरू कर दी। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई ।हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। देर शाम मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज होने के बाद कोमल की मांग और बालिग होने के आधार पर उसे रोहित के सुपुर्द कर दिया गया ।मौके पर विहिप जिलाध्यक्ष अवधेश नारायण, वेद प्रकाश सत्यार्थी, सर्वेश पटेल, वीरेंद्र दिवाकर, पुष्पेंद्र पांडे, लवकुश पटेल, रूपेंद्र शर्मा, अंकित दिवाकर, आशीष पाण्डेय, ओम पाण्डेय, शुभम चौधरी, प्रियांशु, कुलदीप ठाकुर सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए तहसील परिसर में अतिरिक्त बल तैनात किया।

निर्देश उप निरीक्षक थाना विन्ध्याचल द्वारा एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया गया

मानसिक रूप से अस्वस्थ्य लड़के को मानसिक चिकित्सालय पाण्डेयपुर वाराणसी में भर्ती कराने का निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मीरजापुर ने विन्ध्याचल में जौनपुर पार्किंग के पास एक मानसिक रूप से मिले लड़के को अपने एक आदेश के तहत उप निरीक्षक विन्ध्याचल को निर्देशित करते हुए कहा कि इस मानसिक रूप से अस्वस्थ्य लड़के को मानसिक चिकित्सालय पाण्डेयपुर वाराणसी में स्वंय लेकर जाकर दाखिल कराएं। उक्त के सम्बन्ध में उप निरीक्षक थाना विन्ध्याचल द्वारा एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि मानसिक रूप से विक्षप्ति लड़का (उम्र-18) वर्ष जो आने जाने वालो जौनपुर पाक्रिंग थाना विन्ध्याचल के पास ईटा, पत्थर चलाकर मार रहा था एवं दौड़ा रहा था, जिसे देखकर आने जाने वाले लो बचकर निकल रहे थे तथा कुछ बच्चों के द्वारा भी मानसिक रूप से अस्वस्थ्य लड़के को भी ईट पत्थर उठाकर मार रहे थे वह अपना नाम, पता नही बता पा रहा था, आस पास के दुकानदारो व लोगो से पूछताछ करने पर भी कहां का लड़का है कोई जानकारी नही मिल सकी। डाक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर मेडिकल कराया गया प्रथम दृष्टया लड़का मानसिक रूप स्वस्थ्य नही दिख रहा था परीक्षण के उपरान्त चिकित्सक द्वारा उक्त लड़के मेंटल अस्पताल पाण्डेयपुर वाराणसी रेफर किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अपने रिपोर्ट ने बताया कि लड़के का इलाज सम्बन्धित रिपोर्ट दाखिल की गई है चिकित्साधिकारी डाक्टर सौरभ कपूर जिला चिकित्सालय मीरजापुर के द्वारा उक्त लड़के को पाण्डेयपुर वाराणसी रेफर करने की संस्तुति की गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा उपरोक्त प्रपत्रो का अवलोकन किया गया तथा अपने आदेश में कहा कि अज्ञात लड़का जो वयस्क है, मेडिकल रिपोर्ट तथा जी0डी0 कायमी सहित प्रस्तुत किया गया। मानसिक रूप रूग्ण व्यक्ति के देख रेख व उपचार हेतु विधायिका द्वारा मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम-2017 अधिनियमित किया गया। इस अधिनियम के अनुसार कोई व्यक्ति मानसिक रूप से बीमार पाया जाता है तो सम्बन्धित थाना प्रभारी के द्वारा धारा-101 के तहत सम्बन्धित मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करेगा तथा जब मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है तो धारा-102 के अनुसार उस मानिसक रूप से रूग्ण व्यक्ति के उपचार हेतु समुचित आदेश पारित करेगा। इस अधिनियम की धारा 100 के तहत थाना के प्रभारी अधिकारी के दायित्व बताया गया है, जिसके अनुसार मानसिक रूप से रुग्ण व्यक्ति थाना के क्षेत्राधिकार में पाया जाता है तो थाना का भार साधक अधिकारी अपनी अभिरक्षा में लेगा तथा उसके समुचित उपचार के लिये नियमानुसार कार्यवाही करेगा। इस अधिनियम की धारा 100 (7) को अनुसार यदि मानसिक रोगी का नाम व घर पता मालूम न हो तो ऐसी स्थिति में प्रथम सूचना रिपार्ट दर्ज कर उसके घर व परिवार वालो का पता लगाने का दायित्व दिया गया है। प्रार्थनापत्र के साथ कथित लड़के के इलाज से सम्बन्धित मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की गयी है, जिसके अवलोकन से विदित होता है कि डाक्टर सौराज कपूर जिला चिकित्सालय मीरजापुर की मेडिकल आख्या के अनुसार उपरोक्त लड़के द्वारा असामान्य व्यवहार किया जा रहा है, लम्बे समय के ईलाज एवं पुनस्थापना हेतु मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र पाण्डेयपुर वाराणसी भेजा जाना उचित प्रतीत होता है ।उपरोक्त के दृष्टिगत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में उप निरीक्षक थाना विन्ध्याचल, मीरजापुर को आदेशित किया जाता है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ लड़के के समस्त संवैधानिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए उसे नियमानुसार मानसिक चिकित्सालय, पाण्डेयपुर जनपद वाराणसी लेकर जाये और वहाँ उसे दाखिल करें, साथ ही साथ निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, मानसिक चिकित्सालय पाण्डेयपुर, जनपद वाराणसी को आदेशित किया जाता है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ्य उपरोक्त लड़के की जांच करें। स्वास्थ्य की जांच आख्या व निदान योजना की आख्या चिकित्सीय परीक्षण के सम्बन्ध में 10 दिन के अन्दर न्यायालय में प्रेषित करें तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ लड़के को दिनांक 19.06.2025 न्यायालय के समक्ष पेश करना सुनिश्चित करें।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने लखनऊ और सीतापुर में औचक निरीक्षण कर उर्वरक वितरण व्यवस्था की हकीकत परखी

अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए

- लखनऊ के दो प्रतिष्ठानों का प्राधिकरण निलंबित किया गया, एक को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए गए
- बिना लाइसेंस के उर्वरक बिक्री करने पर दुकान सीज करने और अन्य तीन उर्वरक प्रतिष्ठानों के बंद पाए जाने पर जांच के निर्देश दिए गए

भारत संवाद

लखनऊ, खरीफ फसल की बुवाई के महत्वपूर्ण समय में कृषकों को निर्धारित दर पर समय से उर्वरक उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने लखनऊ और सीतापुर में रविवार और सोमवार दो दिन लगातार औचक निरीक्षण कर उर्वरक वितरण व्यवस्था की हकीकत परखी और अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए ।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को जिला कृषि अधिकारी लखनऊ के साथ संयुक्त रूप से किए गए निरीक्षण में मैसर्स पाल खाद भण्डार, कल्याणपुर, इंटौजा, बक्शी का तालाब के प्रतिष्ठान में विक्रय रजिस्टर में कृषकों का पूर्ण विवरण दर्ज न किया जाना पाया गया, जिससे वितरण की पारदर्शिता संदिग्ध पाई गई। पूर्व में दिए गए स्पष्ट निदेशों के बावजूद आवश्यक अभिलेख न रखने पर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी करने और कार्य दिवस में साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है ।इसी क्रम में मैसर्स किसान खाद भण्डार (रिटेल आईडी-546619), ग्राम व पोस्ट बेहटा, बक्शी का तालाब, लखनऊ में निरीक्षण के दौरान यूरिया उर्वरक का विक्रय निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर किए जाने की पुष्टि हुई।

वाणिज्य वाहनों के लिए फास्टटैग योजना लाए सरकारः ललित पोपली

भारत संवाद

सहारनपुर । सहारनपुर गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महासचिव ललित पोपली ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से गैर व्यवसायिक निजी वाहनों के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने के लिए वाषिक फास्टटैग प्रारंभ किये जाने के साथ-साथ वाणिज्य वाहनों के लिए भी उक्त योजना को प्रारंभ किये जाने की पुरजोर मांग करते हुए कहा कि सरकार को वास्तविक रूप से परिवहन कास्ट कम करने की इच्छा है तब उसको ट्रांसपोर्ट टेज्ड से सम्बन्धित अनाप शनाप खर्चों जैसे वाणिज्य वाहनों पर भी वार्षिक फास्टटैग आधारित न्यूनतम वार्षिक शुल्क, ऑटो मोबाइल्स से जीएसटी की दरें 28 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किये जाने, थर्ड पार्टी प्रीमियम पर पारदर्शिता लाये जाने एवं लगने वाली जीएसटी की दर को न्यूनतम किये जाने और वाणिज्य वाहनों से रास्ते में परिवहन विभाग और पुलिस विभाग की खुली लूट की मोदी जी के मिशन भ्रष्टाचार मुक्त भारत के अंतर्गत छुटकारा आदि दिलाए जाने से ही आम जनता के हितों के लिए परिवहन कास्ट को कम किया जा सकता है। श्री पोपली ने कहा कि ट्रांसपोर्ट कारोबार में लगे करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है और उसी टेज्ड की सरकार अनदेखी कर रही है, जहा से सबसे अधिक कर वसूला जाता है, जिस पर सरकार को उदार नीति अपनाकर इस टेज्ड को राहत प्रदान करनी चाहिए ताकि देश की आम जनता को सामग्री कम मूल्य और किफायत के साथ उपलब्ध हो सके।

विद्यालयों की पेयरिंग/मर्ज प्रक्रिया का शिक्षकों ने किया पुरजोर विरोध

भारत संवाद

सहारनपुर। परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मर्ज/पियरिंग के विरोध में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा।

इससे पूर्व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले सहारनपुर के हकीकत नगर में धरना स्थल पर परिषदीय शिक्षकों ने हजारों की संख्या में इकट्ठे होकर बेसिक शिक्षा परिषद के 50 से कम नामांकन वाले विद्यालयों की पेयरिंग/मर्ज प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया। हजारों शिक्षक इकट्ठा होकर आवाज दो हम एक हैं आदि नारे लगाते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद सहारनपुर के जिला अध्यक्ष चैधरी रविन्द्र पवार की अगुवाई में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम सहारनपुर को जिला अध्यक्ष चैधरी रविन्द्र पवार द्वारा सौंपा गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष चैधरी रविन्द्र पवार ने उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश का विरोध करते हुए कहा कि छोटे-छोटे बच्चे ज्यादा दूरी पर स्थित स्कूल में नहीं जा पाएंगे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार 1 किलोमीटर के दायरे में प्राइमरी स्कूल व 3 ा3 के दायरे में उच्च प्राथमिक विद्यालय की स्थापना का यह स्पष्ट उल्लंघन है।

ग्राम प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष अनुज मदनूकी जी ने कहा कि वो जिला अध्यक्ष चैधरी रविंद्र पवार जी के साथ है और उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में वह अपने 830 से ज्यादा ग्राम पंचायत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडे है अगर सरकार इस आदेश को वापस नही लेगी तो आगे चलकर इस धरने में ग्राम पंचायत के सभी प्रधान भी यहां उपस्थित होंगे।

सभी ब्लॉक अध्यक्ष अमित चैहान (रामपुर), विनय कुमार (नागल), योगेन्द्र कुमार (देवबंद), शिवकुमार (नकुड), जगवीर सिंह (सरसावा), अशोक रावल (सढौली कदीम), मनीष, मिशा, सुभाष, राजेन्द्र, गौरव शर्मा, विनोद, रीता गुप्ता, सविता, भावना त्यागी, कीर्ति, मोहित पंवार, विक्रम, अमित नगर, विभोर, पीयूष, जनेश्वर, प्रवीण, ब्रजपाल सिंह, करण सिंह, शिव कुमार यादव, इजहार अहमद, विजेन्द्र पंवार प्रदीप, राज सिंह, प्रीति, आदि उपस्थित रहे।

आश्रम में हुई चोरी का खुलासा करने की मांग

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना चिलकाना के ग्राम पठेड़ अहतमाल स्थित अज्ञात आश्रम में हुई चोरियों का खुलासा करने की मांग को लेकर आज अज्ञात आश्रम के स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती ने आज जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र प्रेषित किया। डीएम को सौंपे प्रार्थना पत्र में उन्होंने बताया कि कुछ शातिर किस्म के व्यक्ति आश्रम की कीमती भूमि को कब्जाना चाहते हैं, और वे तरह-तरह से षडयंत्र रचकर उन्हें तंग व परेशान कर रहे हैं ताकि वह आश्रम छोडकर चले जायें। गत 8 जून व 9 जून को रात्रि में अजात आश्रम में चोरी गयी जिस सम्बन्ध में थाना चिलकाना पर शिकायती पत्र दिया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गयी। पीडित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सामान बरामद करने की मांग की है।

फास्ट ट्रैक

नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले दो नशा तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध नियंत्रण मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री की रोकथाम व नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक सूबे सिंह के नेतृत्व आज मूखबिर की सूचना पर थाना बेहट पुलिस द्वारा 2 नशा तस्कर अभियुक्त राशिद पुत्र नाजर निवासी ग्राम जैतपुर खुर्द थाना बेहट, राशिद पुत्र जीजूद्दीन निवासी गथाना बेहट पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध अपराध से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

श्री विश्वकर्मा जनकल्याण समिति के त्रैवार्षिक चुनाव सम्पन्न, ब्रजमोहन शर्मा बने अध्यक्ष

सहारनपुर। श्री विश्वकर्मा जनकल्याण समिति का त्रैवार्षिक चुनाव नगर के घंटाघर स्थित एक सभागार में शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया का संचालन समिति के संरक्षक डा० एस० सी० धीमान, डा० विनोद कुमार तथा श्री गंगेश्वर जी द्वारा किया गया।चुनाव में अध्यक्ष पद पर ब्रजमोहन शर्मा, महासचिव पद पर मुकेश कुमार तथा कोषाध्यक्ष पद पर ब्रजभूषण धीमान को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इसके उपरान्त नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें उपाध्यक्ष पद पर शशिकान्त धीमान, सचिव पद पर निशाकान्त देव, मीडिया प्रभारी के रूप में अशोक धीमान तथा उपकोषाध्यक्ष पद पर सुशील धीमान को मनोनीत किया गया।घोषणा के पश्चात सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर समिति के संरक्षक डा. एस. सी. धीमान ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी सदस्य पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए समिति के आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाएंगे।

संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति ने पीएम को भेजा ज्ञापन

सहारनपुर। संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, जनपद सहारपुर द्वारा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक महत्वपूर्ण ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। यह ज्ञापन केंद्र सरकार द्वारा 25 मार्च 2025 को पारित उस विधेयक के विरोध में भेजा गया है, जिसके तहत पेंशनर्स को दी जा रही कुछ महत्वपूर्ण सुविधाओं को समाप्त किए जाने की आशंका उत्पन्न हो गई है।ज्ञापन में कहा गया है कि भारत सरकार ने केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों और भारत की संचित निधि से पेंशन व्यय से संबंधित अधिनियम में संशोधन कर लिया है, जिससे पूर्व और वर्तमान पेंशनरों में भेदभाव की संभावनाएं बढ़ गई हैं। यह न केवल उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णयों का उल्लंघन है, बल्कि 7वें वेतन आयोग द्वारा प्रदान की गई समानता की भावना को भी ठेस पहुँचाता है।ज्ञापन में डी.एस. नाकरा बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस के निर्णय का उल्लेख करते हुए यह तर्क दिया गया है कि पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक आवश्यक अंग है। यह उन कर्मचारियों का अधिकार है जिन्होंने अपनी पूरी सेवा अवधि सरकार के लिए समर्पित की है।

रायवाला में चार सौ से ज्यादा दुकानों पर लगाए गए लाल निशान

दुकानदारों ने स्वयं न हटाया अतिक्रमण तो निगम करेगा ध्वस्तीकरण

सहारनपुर। प्रताप नगर व रायवाला बाजार में नाले-नालियों पर किया गया अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम द्वारा दुकानों के बाहर थलों पर लाल निशान लगा दिए गए है। निगम अधिकारियों के मुताबिक करीब चार सौ से ज्यादा दुकानों पर लाल निशान लगाए गए हैं। एक जुलाई से पहले यदि दुकानदारों ने स्वयं अतिक्रमण न हटाया तो आगामी एक जुलाई (मंगलवार) से निगम द्वारा अतिक्रमण ध्वस्त किया जायेगा। प्रताप नगर व रायवाला क्षेत्र के व्यापारियों से इस बात पर सहमति हो चुकी है। महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा के नेतृत्व में निगम अधिकारियों ने दो दिन पूर्व प्रताप नगर व रायवाला पहुंचकर व्यापारियों से सम्पर्क किया था और एक-एक दुकान पर जाकर व्यपारियों को समझाया था कि उनके द्वारा नाले-नालियों पर बनाये गए थलों/स्लैप के अतिक्रमण के कारण नालियों की सफाई नहीं हो पा रही है और वर्षा ऋतु में बाजार में जलभराव का यही मुख्य कारण है।इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद और व्यापारी नेता भी निगम अधिकारियों के साथ मौजूद रहे थे।

शहर में व्यवस्थित पार्किंग की दिशा में नगर आयुक्त ने उठाया अहम कदम, प्रमुख मार्गों के पास पार्किंग व्यवस्था बनाने के लिए नगर निगम तलाशेगा जगह

पहले चरण में जल्द तहसील तिराहे पर अव्यवस्थित वाहनों के खड़े होने से मिलेगी निजात, नगर निगम ने तहसील पर वाहन पार्किंग का निकाला ई टेण्डर

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़ । जुलाई में खुलने वाले स्कूल के कारण आम नागरिकों को शहर के प्रमुख मार्गो पर अव्यवस्थित वाहन खड़े करने के कारण जाम की स्थिति से जूझना पड़ता है इसको देखते हुए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने शहर के प्रमुख मार्गों व बाजारों के निकट वाहन पार्किंग के लिए जगह तलाश करने के लिए सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह को जिम्मेदारी दी है।नगर आयुक्त ने अव्यवस्थित टू व्हीलर और फोर व्हीलर वाहनों के सड़कों के किनारे खड़ा करने के कारण लगने वाले जाम को देखते हुए सेंटर पॉइंट, रामघाट रोड, आगरा रोड, दुबे का पड़ाव, मथुरा रोड, जीटी रोड, बन्ना देवी, सासनी गेट, सूतमिल बस अड्डा, अमीन निशा, मेडिकल रोड, दोदपुर आदि क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए जगह तलाशने का निर्णय लिया है ताकि नगर निगम उक्त स्थलों पर पार्किंग की व्यवस्था छोटे से शुल्क वसूले के साथ उपलब्ध करा सकेगा।इस व्यवस्था से बेतरतीब खड़े होने वाले वाहनों से आम नागरिकों को ट्रैफिक जाम से निश्चित रूप से कुछ राहत मिलेगी।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि शहर में बड़े बड़े कॉम्प्लेक्स, मॉल, शॉपिंग स्टोर, मैरिज होम अपने यहां आने वाले वाहनों को नगर निगम की सड़क और फुटपाथ पर खड़ा करते हैं जिसके कारण ट्रैफिक व्यवस्था बाधित होती है जबकि इन प्रतिष्ठानों को पार्किंग की व्यवस्था स्वयं अपने प्रतिष्ठान में करना अनिवार्य है और नगर निगम इस दिशा में अब प्रभावी कदम उठाने जा रहा है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि नगर निगम द्वारा जीटी रोड नुमाइश मैदान तहसील के पास पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए तहसील के मुख्य गेट के पीछे से सिटी स्कूल के निकट वेंडिंग जोन रोड के दोनों साइडों पर 31 मार्च 2026 की अवधि तक पार्किंग की व्यवस्था के लिए नगर निगम स्तर से पार्किंग का ठेका उठाने के लिए ई-टेंडिंग 30 जून तक आमंत्रित किये गए है।इच्छुक व्यक्ति ई निविदा की वेबसाइट के माध्यम से आवश्यक धरोहर धनराशि व प्रपत्र अपलोड कर प्रतिभाग कर सकते है।वहीं नगर आयुक्त ने कहा कि प्रमुख मार्गों व बाजारों में पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए अधीनस्थों को प्रमुखता से शहर की व्यस्ततम चौराहो मार्गों पर पार्किंग व स्थान को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए गए हैं और स्थान चिन्हित होने के उपरांत नगर निगम द्वारा पार्किंग को व्यवस्थित करने का प्रयास रहेगा

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में राजस्व वादों के निस्तारण व लंबित वादों के सम्बन्ध में प्रगति समीक्षा बैठक हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। उक्त समीक्षा के दौरान धारा-24, धारा-34, धारा-67, धारा-116, निर्विवाद उत्तराधिकार, खतौनी अंश निर्धारण, स्वामित्व योजना स्थिति आदि के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति/लंबित प्रकरणों तथा आय जाति निवास प्रमाण पत्रों के निर्गमन की स्थित, मत्स्य पालन आवंटन प्रगति, कुम्हारी कला आवंटन प्रगति की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में समस्त एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

1. जिलाधिकारी महोदय द्वारा धारा-24 के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि गत माह के लंबित प्रकरणों की संख्या की अपेक्षा वर्तमान माह में लंबित प्रकरणों की संख्या अनिवार्य रूप से कम होनी चाहिये। सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने न्यायालय में मानक लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। दिनांक 01.06.2025 से 22.06.2025 तक 456 के सापेक्ष 269 वादों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने सभी को निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर लंबित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

2. जिलाधिकारी महोदय द्वारा धारा-34 के अन्तर्गत वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि सभी अपने-अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लंबित वादों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सभी तहसीलों में दिनांक 01.06.2025 तक लंबित वादों की संख्या-7693 है। माह जून, 2025 में निस्तारण हेतु लक्ष्य-4000 है। दिनांक 01.06.2025 से 22.06.2025 तक निस्तारित वादों की संख्या-1141 है।

तीस जून के बाद नहीं मिलेगी टैक्स में 20 प्रतिशत छूट

महापौर व नगरायुक्त ने की करदाताओं से 30 जून से पहले टैक्स जमा करने की अपील

सहारनपुर। गृहकर एवं जलकर के बिलों में 20 प्रतिशत छूट का लाभ सिर्फ एक सप्ताह और मिलेगा। तीस जून के बाद नगर निगम द्वारा टैक्स बिलों में दी जा रही 20 प्रतिशत की छूट समाप्त हो जायेगी। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने सभी करदाताओं से 30 जून से पूर्व अपना टैक्स जमा कराने की अपील की है ताकि चालू वित्तीय वर्ष के टैक्स में उन्हें 20 प्रतिशत की छूट प्राप्त हो सके। नगर निगम बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की वर्तमान मांग पर यानि चालू वित्तीय वर्ष के हाउस टैक्स व वाटर टैक्स बिलों में 20 प्रतिशत की छूट मई माह से एक माह बढ़ाने यानि जून तक देने का प्रस्ताव पारित किया था।

नगर निगम के खिलाफ डेयरी संचालकों का धरना

सहारनपुर। नगर निगम के खिलाफ डेयरी संचालको का चल रहा आंदोलन यथावत जारी है आज संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डेयरी संचालको ने प्रदर्शन कर सांकेतिक धरना दिया और 25 जून को होने वाले प्रदर्शन में गाय भैंस के साथ नगर निगम कार्यालय पहुंचने का आह्वान किया।आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार डेयरी संचालक संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डायरी संचालक आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर पहुंचे और एनजीटी के नियमों के नाम पर डेयरी संचालकों का शोषण करने के विरोध में सांकेतिक धरना दिया। इस दौरान राजेश शर्मा, अमरजीत सिंह, राजेश शर्मा, रणधीर सिंह, रियासत, लियाकत, आशीष, अमित, छोटन, राजू, बलदेव, पप्पू, शाहवेज, रवि, कुलदीप, पवन पाल आर्य, अमित, सौरभ, छोटन, आकाश, अनुज, प्रीतम, पवन लाल, संजू, सुलेमान, सुलेमान, इनाम, अकरम, निसार, पप्पू चैधरी, आदित्य, विकास, विशाल, आकाश, बिट्टू, अजय आदि मौजूद रहे।

डीएम ने डायरिया रोको अभियान, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए की बैठक

जिले में 01 से 30 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 से 31 जुलाई तक चलेगा दस्तक अभियान

सामूहिक रूप से अन्तर्विभागीय समन्वय से कार्य करते हुए जनसामान्य को करें जागरूक -संजीव रंजन, डीएम

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में डायरिया रोको अभियान, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन के संबंध में अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आहुत की गई। बैठक का संचालन करते हुए सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बताया कि जिले में डायरिया रोको अभियान के तहत 15 जुलाई तक 0-05 वर्ष के बच्चों को लक्षित किया जाना है। अलीगढ़ को यलो कैटेगरी में रखा गया है। अभियान के तहत सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस एवं जिंक सल्फेट की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए अभिभावकों को अन्तर्विभागीय समन्वय से जागरूक किया जाएगा।

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 04121/04122 सूबेदारगंज - चर्लपल्ली सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04121 सूबेदारगंज - चर्लपल्ली			गाड़ी संख्या - 04122 चर्लपल्ली - सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	15:50	सूबेदारगंज	10:00	.....
16:58	17:00	फतेहपुर	08:18	08:20
18:05	18:10	गोविन्दपुरी	07:15	07:20
19:18	19:20	पुखरायाँ	05:13	05:15
19:58	20:00	उरई	04:38	04:40
22:10	22:15	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	03:15	03:20
00:20	00:25	बीना	00:20	00:25
02:20	02:25	रानी कमलापति	21:20	21:25
04:00	04:05	इटारसी	19:35	19:40
09:00	09:05	नागपुर	13:25	13:30
13:05	13:10	बल्हारशाह	10:15	10:20
14:09	14:10	सिरपूर कागजनगर	09:29	09:30
14:59	15:00	मंचिर्याल	08:24	08:25
15:30	15:31	पेद्दपल्ली	07:49	07:50
16:43	16:45	काजीपेट	06:38	06:40
20:00	.....	चर्लपल्ली	.....	04:30

• **सूबेदारगंज से** गाड़ी संख्या 04121, प्रत्येक गुरूवार, **दिनांक** : 26.06.25 से 31.07.25 तक • **चर्लपल्ली से** गाड़ी संख्या 04122, प्रत्येक शनिवार, **दिनांक** : 28.06.25 से 02.08.25 तक

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 07, स्लीपर श्रेणी : 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 02

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1083/25(AS)

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

गाड़ी सं. 04155/04156 सूबेदारगंज-उधना साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04155 सूबेदारगंज-उधना			गाड़ी सं. 04156 उधना-सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(सोम)	11:40	सूबेदारगंज	21:00	(बुध)
13:10	13:12	फतेहपुर	18:58	19:00
14:55	15:00	गोविंदपुरी	17:35	17:40
16:30	16:32	पोखरायां	16:00	16:02
17:20	17:22	ऊरई	15:00	15:02
19:35	19:40	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12:35	12:40
20:50	20:52	ललितपुर	10:38	10:40
23:00	23:05	बीना	09:40	09:45
02:00	02:05	रानी कमलापति	06:30	06:35
03:40	03:50	इटारसी	04:25	04:35
07:50	07:55	भुसावल	22:10	22:15
09:13	09:15	अमलनेर	19:50	19:52
10:30	10:40	नंदुबार	18:30	18:40
12:45	12:47	चलथान	16:48	16:50
13:30	(मंगल)	उधना	(मंगल)	16:30

सूबेदारगंज से- गाड़ी सं. **04155** प्रत्येक सोमवार, दिनांक- **07.07.2025** से **29.09.2025** **उधना से-** गाड़ी सं. **04156** प्रत्येक मंगलवार, दिनांक- **08.07.2025** से **30.09.2025** **संरचनाः** सामान्य श्रेणी-07, स्लीपर श्रेणी-11, वाता. तृतीय श्रेणी- 02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1081/25 FA

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी संख्या 04153/04154 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 04153/04154 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04153 कानपुर सेंट्रल - कोलकाता			गाड़ी संख्या - 04154 कोलकाता - कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
सोम, गुरू	प्र. 13:00	कानपुर सेंट्रल	आ. 04:30	बुध, शनि
14:00	14:02	फतेहपुर	02:18	02:20
15:55	16:00	प्रयागराज जं.	बु.,श. 01:05	01:10
17:55	17:57	मिर्ज़ापुर	22:38	22:40
19:40	19:50	पं. दीनदयाल उपा. जं.	20:40	20:50
21:00	21:02	सासाराम	19:48	19:50
21:20	21:22	डेहरी ऑन सोन	19:15	19:17
22:35	22:40	गया	18:10	18:15
23:50	23:52	कोडरमा	16:50	16:52
मं.,शु. 00:35	00:37	पारसनाथ	16:18	16:20
00:45	00:47	गोमो	15:58	16:00
01:40	01:45	धनबाद	15:30	15:35
02:50	02:55	आसनसोल	13:52	13:57
03:30	03:32	दुर्गापुर	13:19	13:21
04:56	04:58	बर्धमान	12:20	12:22
आ. 07:50	मंगल, शुक्र	कोलकाता	मंगल, शुक्र	प्र. 10:45

कानपुर सेंट्रल सेः- गाड़ी संख्या 04153, प्रत्येक सोमवार व गुरूवार, दिनांक 03.07.2025 से 14.08.2025 तक। **कोलकाता सेः-** गाड़ी संख्या 04154, प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार, दिनांक 04.07.2025 से 15.08.2025 तक।

गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1085/25(A)

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214, 9935750291, E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

जार्जिया में है आसमान में झूलता डायमंड का रेस्तरां

डायमंड की अंगूठी के बारे में तो हम सब जानते हैं, मगर क्या आपने कभी आसमान में झूलते डायमंड के आकार के रेस्तरां के बारे में सुना है। जो लोगों को रोमांच का अनुभव कराने में किसी भी मायने में कम नहीं है। हम बात कर रहे हैं यूरोपियन देश जार्जिया की राजधानी तबिलिसी के हवा में झूलते रेस्तरां के बारे में।

919 फीट की उंचाई पर बने इस रेस्तरां के दोनों ओर साइकिलिंग के लिए ट्रैक बनाया गया है। यहां से गुजरने वाले साईकिल सवार दशबाशी घाटी के झरनों और गुफाओं के बेहतरीन नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां तक पहुंचने के लिए 787 फीट लंबा एक ग्लास ब्रिज भी तैयार किया गया है।

इस होटल का निर्माण 3.29 अरब रूपये की लागत से बनाया गया है। साल 2019 में इस हैंगिग रेस्तरां को इजरायली कंपनी ने बनवाना आरंभ किया था। जो सैलानियों के लिए खोल दिया गया है। ये रेस्तरा तबिलिसि से 100 कि.मी. की दूरी पर बना है।

ये है दुनिया का सबसे लंबा गांव है पोलैंड का सुलोस्जोव

पोलैंड का सुलोस्जोव गांव दुनिया का सबसे लंबा गांव बन गया है। यह 9 किमी की लंबाई और करीब 150 मीटर की चौड़ाई में बसा है। इस गांव में करीब 1600 घर हैं, जो एक सड़क के दोनों तरफ बने हैं। इनमें करीब 6200 लोग रहते हैं। वर्ल्ड रूरल प्लानिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह गांव क्राकोव शहर से करीब 30 किमी दूर है। यह 14वीं शताब्दी में बसा था। उस वक्त इसका दायरा करीब 500 मीटर था। लेकिन धीरे-धीरे इसकी बसावट लंबाई में बढ़ती गई। इस गांव के दोनों तरफ हरे-भरे खेत हैं। इस गांव में अस्पताल, बैंक, स्कूल और सारी मूलभूत सुविधाए हैं।

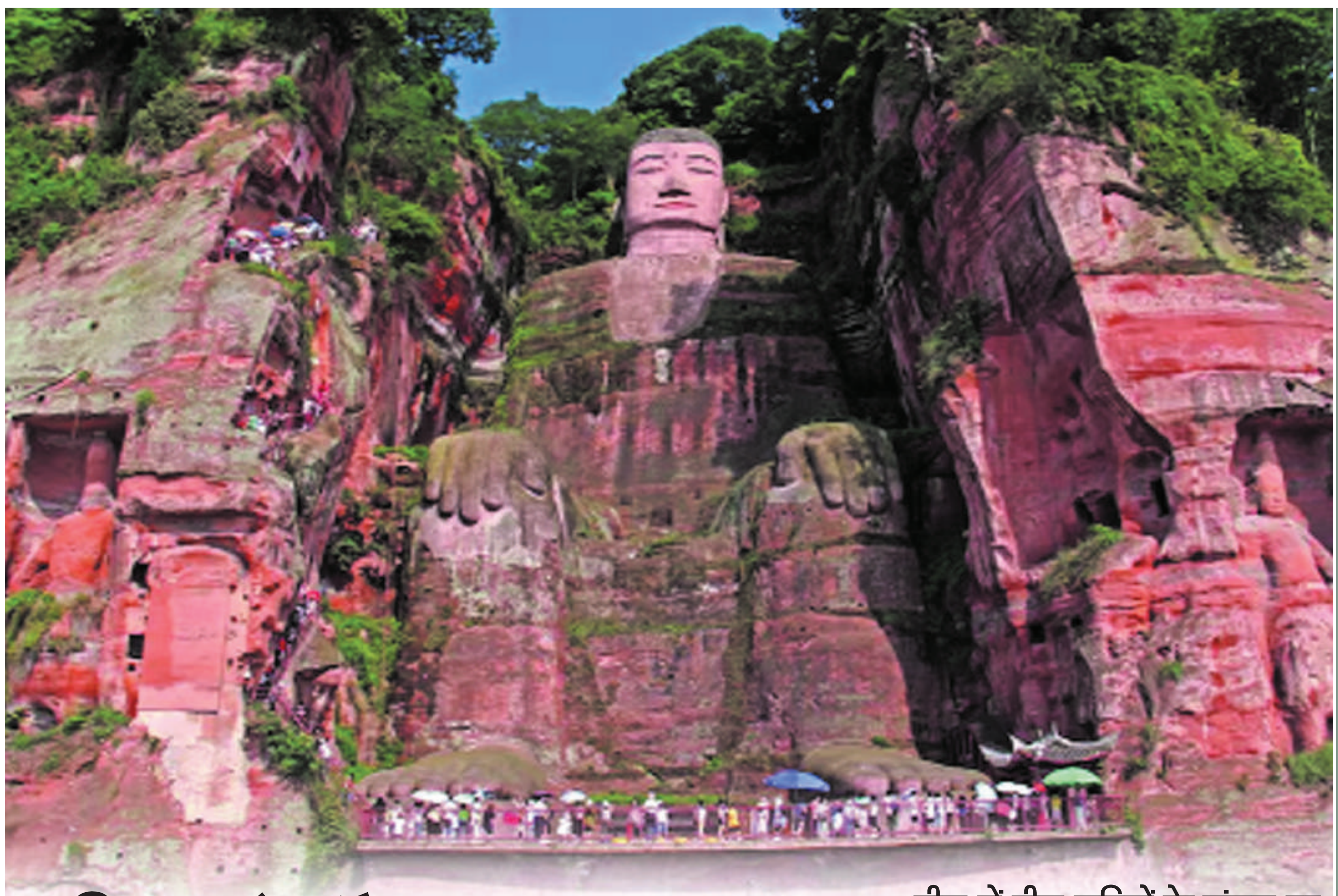

चीन में है पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा

चीन में तीन नदियों के संगम पर लेशान विशालकाय बुद्ध की प्रतिमा, पत्थर पर उकेरी गई दुनिया की सबसे बड़ी बुद्ध की प्रतिमा है. इतिहास, आध्यात्म और इंजीनियरिंग यह तीनों क्षेत्रों के लिए कई तरह के आश्चर्य अपने अंदर समेटे हुए है.

लेशान विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन इंजीनियरिंग और कलात्मकता का एक चमत्कार है. चीन के तांग राजवंश के दौरान सीधे एक चट्टान के चेहरे पर उकेरी गई, यह विशाल मूर्ति एक हजार साल से अधिक समय से तीन नदियों के संगम पर नजर रखती है. 71 मीटर ऊंची यह दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है. कई लिहाज से अनोखी ये मूर्ति दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती हैं. लेशान की विशालकाय बुद्ध प्रतिमा प्राचीन चीनी शिल्पकला और आध्यात्मिकता का प्रमाण है. चट्टान की सतह पर उकेरी गई यह विशाल प्रतिमा सदियों से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है. यह मूर्ति 71 मीटर ऊंची है, जो इसे दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की बुद्ध प्रतिमा बनाती है. इसके कंधे 28 मीटर चौड़े हैं. बुद्ध का सिर ही 14.7 मीटर (48 फीट) ऊंचा और 10 मीटर (33 फीट) चौड़ा है. प्रत्येक कान 7 मीटर (23 फीट) लंबा है.

लेशान विशालकाय बुद्ध के पीछे के इतिहास को समझने से इसके महत्व में गहराई आती है. यह मूर्ति सिर्फ कला का एक नमूना नहीं है, यह भक्ति और इंजीनियरिंग कौशल का संकेत है. बुद्ध की इस प्रतिमा को तांग राजवंश के दौरान तराशा गया था, जो 618 से 907 ईस्वी तक चला. निर्माण 713 ईस्वी में शुरू हुआ और पूरा होने में 90 साल लगे. इस परियोजना की शुरुआत हाई टोंग नामक एक चीनी भिक्षु ने की थी, जिसे उम्मीद थी कि बुद्ध नीचे की नदियों के अशांत पानी को शांत करेंगे. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है. लेशान विशालकाय बुद्ध सिर्फ़ इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं है; यह कई लोगों के लिए गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है. यह मूर्ति मैत्रेय का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक बोधिसत्व है, जिसके भविष्य में पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए पृथ्वी पर प्रकट होने की उम्मीद है. तीर्थयात्री और पर्यटक समान रूप से इस स्थल पर अपना सम्मान प्रकट करने और आशीर्वाद लेने आते हैं. बुद्ध की शांत अभिव्यक्ति के बारे में कहा जाता है कि यह उन लोगों को शांति और सुकून देती है जो इसे देखते हैं. ऐसी प्राचीन और विशाल संरचना को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों की जरूरत होती है. लेशान विशालकाय बुद्ध को सालों से बचाए रखाने की कोशिशें होती रही हैं. इस मूर्ति को क्षरण और प्रदूषण से निपटने के लिए, खासकर 20वीं और 21वीं सदी में, कई बहाली परियोजनाओं से गुजरना पड़ा है. 1996 में, लेशान विशालकाय बुद्ध को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया गया था. लेशान विशालकाय बुद्ध को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया था, जो प्राकृतिक तत्वों से निपटने में प्राचीन ज्ञान को दर्शाता है. मूर्ति को तीन नदियों मिन, किंगयी और दादू के संगम पर एक चट्टान के चेहरे पर उकेरा गया था. पानी के नुकसान को रोकने के लिए मूर्ति में छिपी हुई नालियों और चैनलों सहित सरल जल निकासी प्रणालियों को शामिल किया गया था. माना जाता है कि बुद्ध के निर्माण से नीचे का पानी शांत हो जाता है, जिससे क्षेत्र में जहाजों के डूबने की संख्या कम हो जाती है.

20 साल से वीरान अवस्था में है इंग्लैंड का हेमिल्टन पैलेस

इंग्लैंड के ग्रामीण इलाके में बना ये विशाल महल पिछले 20 साल से विरान अवस्था में है और यहां कोई भी नहीं रहता है। अधूरे पड़े इस महल का नाम हेमिल्टन पैलेस है। इसका आकार इग्लैंड की महारानी के शाही निवास बघिंगम पैलेस से भी बड़ा बताया जाता है। इस महल का निर्माण उस वक्त सजायाफ्ता अपराधी और ज़मीदार निकोलस वान ने अपने रहने के लिहाज से बनवाना शुरू किया था। इस महल का निर्माण कार्य सन् 1985 में आरंभ हुआ था और इसे 365 करोड़ रूपये की लागत से बनवाया गया था। मगर निकोलस को एक हत्या के रूप में सजा हो गई और ये महल अब तक खाली है।

तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव

लगभग तीन हजार मीटर की उंचाई पर बसा तिब्बत का न्यिंगची गांव हर साल की तरह ही पर्यटकों के स्वागत की तैयारी कर चुका है। यहां पर खासतौर से लोग जंगली पीच के फूल देखने के लिए पहुंचते हैं। तिब्बत के लिटिल स्विटरजरलैंड के नाम से मशहूर इस जगह की खूबसूरती का अंदाज़ा यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद से लगाया जा सकता है। न्यिंगची का अर्थ तिब्बत भाषा में सूरज का सिंहासन होना है। 2024 में इस गांव की प्रति व्यक्ति सालाना औसत आय 4 लाख रूपये से भी ज्यादा है। न्यिंगची के लिए अगर आप रवाना हो रहे हैं, राजधानी ल्हासा से यहां तक का सफर महज तीन घंटे में तय किया जा सकता है। ल्हासा से यहां की दूरी 435 किलोमीटर है। पिछले साल शुरू हुई पहली इलेक्ट्रिक बुलेट ट्रेन ने इन दो शहरों के बीच के सफर का वक्त आधा कर दिया है और अब केवल तीन घंटों में दूरी तय की जा सकती है।

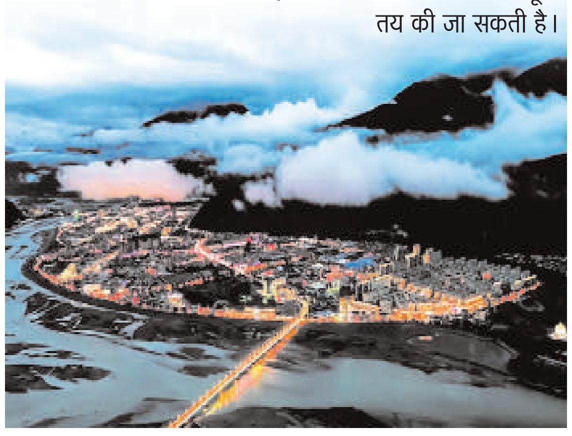

रहस्यों से भरा पड़ा है उत्तर प्रदेश में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह टीला

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर विकास खंड के महुआ डाबर ग्राम पंचायत में स्थित ऐतिहासिक भैलाडीह (भुलेश्वर नाथ) टीला रहस्य से भरा पड़ा है। यह ऐतिहासिक स्थल करीब 200 एकड़ में फैला हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फीट नीचे पक्की सड़क, साखू के पौधे और ईंट की दीवारें मिलीं।

यह ऐतिहासिक स्थल लगभग 200 एकड़ में फैला हुआ है. ग्रामीणों के अनुसार, जब तालाब की खुदाई की गई तो करीब 15 से 20 फुट नीचे पक्की सड़क, साखू के बोटे, और ईंटों से बनी दीवारें मिलीं, जो इस स्थान के प्राचीन महत्व को दर्शाती हैं. तालाब के पास ही एक प्राचीन शिव मंदिर स्थित है, जिसके करीब एक रहस्यमयी सुरंग भी है. लोगों का मानना है कि यह सुरंग लगभग 5 किलोमीटर लंबी है. सुरंग के प्रवेश द्वार को 40 फीट नीचे ईंट-पत्थरों से बंद कर दिया गया था, जबकि बाहर मुख्य द्वार पर लोहे का गेट लगाया गया है. इस सुरंग और मंदिर के आसपास के इलाके में कई रहस्यमयी कहानियां प्रचलित हैं, जो इस स्थान को और भी रहस्यमय बनाती हैं.

तालाब और टीले का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 1250 ईस्वी में थारू समाज के लोग इस क्षेत्र में निवास करते थे और यहां पूजा-पाठ करते थे. कई साल पहले टीले की खुदाई के दौरान यहां से लंबी तलवारें और 10 फीट लंबे कंकाल मिले थे. इसके अलावा, खुदाई में छोटी-छोटी सोने की मूर्तियां और सिक्के भी मिले थे. गोरखपुर के क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी नरसिंह की अगुवाई में आई टीम के अनुसार, यहां से मिले ईंटों और बर्तनों के टुकड़े छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 1250 ईस्वी तक के हैं, जो दर्शाता है कि यह स्थान 2600 वर्ष पूर्व एक नगर रहा होगा.

ग्रामीणों की मान्यताएं और अनुभव

ग्रामीण बताते हैं कि इस तालाब की मिट्टी का उपयोग राजा द्वारा टीले के निर्माण के लिए किया गया था. उन्होंने यह भी कहा कि रात में तालाब में एक सोने की नाव चलती थी, जिसमें राजा, रानी, और परियां बैठकर भ्रमण करती थीं. शिव मंदिर में भारी मात्रा में सोना और चांदी छिपा हुआ माना जाता है.

क्या है कहानी

कुछ वर्षों पूर्व, जब एक नाई ने हल चलाते समय मटके में सोना-चांदी पाया था, तो उसके बाद उसके बैल की मृत्यु हो गई और खजाने से मायारूपी आवाजें आने लगीं. यह सुनकर नाई ने वह खजाना वहीं वापस रख दिया, जहां से उसने इसे पाया था. ग्रामीणों का मानना है कि खुदाई में और भी बड़े ईंटें और मकानों की नींव मिल सकती है, जो इस स्थल की प्राचीनता और महत्व को और बढ़ा सकती हैं.

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की

सिंधु संधि पर भारत को जंग की चेतावनी दी; पाकिस्तानी पीएम बोले- हम ईरान के साथ खड़े

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया। दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था। इसके अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। बिलावल ने नदियों का पानी रोकने या बांध बनाने की कोशिश करने पर भारत

को जंग की चेतावनी दी। बिलावल ने कहा, ‟हमारी वायुसेना ने पहले भारत को हराया है और जरूरत पड़ी तो फिर हराएगी। हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों के पानी को सुरक्षित रखेंगे।‟ बिलावल ने दावा किया कि पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनियान-उम-मारसूस में भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान गिराए गए। इसमें तीन राफेल और दर्जनों ड्रोन शामिल थे। इसके साथ बिलावल ने इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विश्व ने ईरान के खिलाफ इजराइल की कार्रवाइयों पर चुप्पी साधी, तो कोई नही बचेगा। बिलावल ने जर्मन पादरी मार्टिन नीमोलर की कविता फर्स्ट दे केम का जिक्र किया। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले और अमेरिका के तेहरान के परमाणु संयंत्रों पर की गई बमबारी को इस बढ़ते संघर्ष का कारण बताया। उन्होंने इजराइल के रवैये को वर्ल्ड वॉर-3 की ओर ले जाने वाला बताया। अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हवाई हमले के बाद बनी क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की आपात बैठक बुलाई गई है। ये बैठक ढट शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में होगी। न्यूज चैनल डॉन के मुताबिक ये बैठक आज शाम को होगी। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें हिस्सा लेंगे।

हाल ही में अमेरिका दौरे से लौटे फील्ड मार्शल मुनीर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक का ब्योरा समिति को देंगे। मुनीर ने अमेरिका में ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करने की वकालत की थी। हालांकि अमेरिकी पाकिस्तानियों को संबोधित करने के दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया। पाकिस्तान ने अमेरिका के ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमले की निंदा की है। पीएम शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने ईरान के लोगों और सरकार के साथ होने की बात कही और हमलों में हुए जानमाल के नुकसान पर अफसोस जताया। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया।

सीरिया के चर्च में आत्मघाती हमला, 22 मौतें

63 घायल; आईएसआईएस आतंकी ने पहले फायरिंग की, फिर खुद को बम से उड़ा लिया

एजेंसी

दमिश्क, सीरिया की राजधानी दमिश्क में रविवार रात एक भयानक आत्मघाती हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 63 घायल हो गए। हमला ग्रीक ऑर्थोडॉक्स सेंट एलियास चर्च में उस समय हुआ जब दर्जनों लोग प्रार्थना में शामिल थे। यह घटना तब हुई जब चर्च के अंदर एक इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़ा आतंकी घुसा, पहले फायरिंग की और फिर खुद को उड़ा लिया। हमला भारतीय समयानुसार रविवार रात को हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,

हमलावर के साथ एक अन्य बंदूकधारी भी था, उसने भी भीड़ पर गोलीबारी की लेकिन विस्फोट नहीं किया। चर्च में उस वक्त लगभग 150 से 350 लोग मौजूद थे। विस्फोट से अंदर की बेंचें बिखर गईं।

सीरियाई सुरक्षाबल हमले की जांच में जुटे हैं और चर्च क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। सरकार ने यह भी कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। नई सरकार एचटीएस (हयात तहरीर अल-शाम) के पूर्व इस्लामिक विद्रोही नेताओं द्वारा संचालित है, जो पहले आईएस के खिलाफ भी लड़ चुके हैं। हमला ऐसे समय में हुआ जब पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद एक इस्लामिक नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई है। नई सरकार की नीतियों के चलते आईएस फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, असद समर्थक सैनिकों द्वारा छोड़े गए हथियारों का फायदा उठाकर आईएस ने खुद को फिर से संगठित किया है। सीरिया के सूचना मंत्री हमजा अल-मुस्तफा ने इस हमले को राष्ट्रीय एकता पर हमला बताया और सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गियर पेडर्सन ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की और जांच की मांग की।

खामनेई ने ट्रंप को कंकाल दिखाया, फिर दी सबसे बड़ी धमकी

> ईरान हथियार डालने के मूड में नजर नहीं आ रहा है। वो अभी भी इजरायल पर मिसाइलें बरसा रहा है। जिसका संकेत ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने पहले भी दिया था कि जो लोग ईरान का इतिहास जानते हैं, वो उससे टकराने की गलती नहीं करेंगे।

एजेंसी

अयातुल्लाह अली खामनेई ये सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि ईरान की वो ताकत है जो अमेरिका और इजरायल की आंखों में हमेशा से खटकती रही। ट्रम्प लगातार ईरान को धमकियां दे रहे हैं। ट्रम्प ईरान में तख्तापलट का मंसूबा पाले हुए हैं। 86 वर्षीय ईरानी नेता अब पहले से कहीं अधिक अलग-थलग पड़ गए हैं। उनके कई शीर्ष सैन्य और सुरक्षा सलाहकार इजरायली हवाई हमलों में मारे गए हैं, जिससे उनकी टीम में बड़ी कमी आ गई है। अब तो युद्ध में सीधे सीधे अमेरिका की भी एंट्री हो चुकी है। लेकिन फिर भी ईरान हथियार डालने के मूड में नजर नहीं आ रहा है। वो अभी भी इजरायल पर मिसाइलें बरसा रहा है। जिसका संकेत ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने पहले भी दिया था कि जो लोग ईरान का इतिहास जानते हैं, वो उससे टकराने की गलती नहीं करेंगे। ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी बमबारी के बाद सुप्रीम नेता अयातुल्लाह खामनेई का बयान भी सामने आया। खामनेई के एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा गया कि दंड जारी है... दुश्मन ने एक गंभीर गलती की है, एक बड़ा अपराध किया है उसे दंडित किया जाना चाहिए और उसे दंडित किया जा रहा है। इस धमकी वाली पोस्ट में सबसे खास एक इमेज रही जिसका इस्तेमाल किया गया है। पोस्ट के साथ एक कंकाल की तस्वीर लगाई गई है। संकेत की भाषा में ईरान कहना चाह रहा है कि उस पर अमेरिकी हमले का खौफनाक बदला लिया जाएगा।

इस पोस्ट के तुरंत बाद ईरान ने बैलेस्टिक मिसाइल से ईरान पर जोरदार हमला बोल दिया। इजरायल के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान के फोर्दो स्थित भूमिगत यूरेनियम संवर्धन स्थल पर फिर से हमला किया गया और ईरान ने भी इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी। साथ ही ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बड़े पैमाने पर किए गए हमलों के मद्देनजर अब उसकी सेना को अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की खुली छूट मिल गई है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र रविवार को हुए हमले में भी प्रभावित हुआ था और सोमवार को इस पर फिर से हमला किया गया। इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है कि हमला किसने किया और कितना नुकसान हुआ, हालांकि इजराइल ने पहले कहा था कि वह ईरान पर हवाई हमले कर रहा है। वियना में, संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रविवार को अमेरिका द्वारा बंकर-बस्टर बमों से किए गए हवाई हमले के बाद फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र में भारी क्षति हुई होगी।

ईरान में बम गिरा फंसे ट्रंप, युद्ध शक्ति अधिनियम से ऐक्शन की तैयारी, अमेरिका में भयंकर विरोध

एजेंसी

अमेरिका ने ईरान पर हमला किया और उसकी तीन न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाया। लेकिन ईरान पर बम गिरकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिका में ही उनका विरोध होने लगा है। वॉर पावर एक्ट से एक्शन लेने की तैयारी दिख रही है। आपको बता दें कि ट्रंप के खिलाफ 47 सांसदों ने साइन भी कर दिए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने ट्रंप से जवाब की मांग की है। विपक्षी पार्टियों ने ट्रंप को अमेरिका को युद्ध में झोंकने के लिए दोषी बताया है। इसके साथ ही विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी सैनिकों को खतरे में डालने का आरोप

लगाया है। विपक्ष ने ट्रंप पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। विपक्षी पार्टी ने कहा है कि किसी भी राष्ट्रपति को एकतरफा तरीके से अमेरिका को युद्ध जैसे हालात में नहीं धकेलना चाहिए। ट्रंप का यह फैसला बेहद खतरनाक है, जिससे अमेरिका खुद ईरान-इजराइल युद्ध में कूद गया है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए निर्णायक क्षण है। हमें ईरान के खिलाफ युद्ध के खिलाफ खड़ा होना होगा। मैं आज रात पत्र भेज रहा हूं और हर सांसद से अनुरोध कर रहा हूं कि वे मेरे इस विधेयक का समर्थन करें। 1973 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के वीटो के

> ट्रंप का यह फैसला बेहद खतरनाक है, जिससे अमेरिका खुद ईरान-इजराइल युद्ध में कूद गया है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए निर्णायक क्षण है। हमें ईरान के खिलाफ युद्ध के खिलाफ खड़ा होना होगा। मैं आज रात पत्र भेज रहा हूं और हर सांसद से अनुरोध कर रहा हूं कि वे मेरे इस विधेयक का समर्थन करें।

बावजूद लागू किया गया युद्ध शक्ति संकल्प राष्ट्रपति की कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य संघर्षों में अमेरिकी सेना को शामिल करने की क्षमता को सीमित करने के लिए बनाया गया था।

एअर इंडिया की जयपुर-दुबई फ्लाइट के कॉकपिट में खराबी

130 पैसेंजर्स थे, उड़ान रद्द; श्रीनगर जा रही फ्लाइट लैंड किए बिना दिल्ली लौटी

एजेंसी

नई दिल्ली , एअर इंडिया और दूसरी एयरलाइंस की फ्लाइट्स में तकनीकी खामी आने और अन्य वजहों से कैंसिल होने का सिलसिला जारी है। सोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की दो फ्लाइट और इंडिगो की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। इनके अलावा, रविवार को एअर इंडिया की तीन फ्लाइट्स कैंसिल की गई थीं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइटसोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट में टेक ऑफ से ठीक पहले कॉकपिट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद रनवे एरिया से पायलट ने फ्लाइट को फिर से एप्रन में पहुंचाया। इसमें 130 पैसेंजर्स सवार थे। 5 घंटे तक फ्लाइट को ठीक करने की कोशिश की गई। फिर भी सफलता नहीं मिली। इसके बाद दुबई की इस फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया। दिल्ली से जम्मू जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट बिना लैंडिंग वापस लौटीएअर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-जम्मू-श्रीनगर फ्लाइट जम्मू एयरपोर्ट पर लैंड किए बिना दिल्ली लौट गई। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट नंबर क-2564 को

> एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट सोमवार को एअर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर से दुबई की फ्लाइट में टेक ऑफ से ठीक पहले कॉकपिट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद रनवे एरिया से पायलट ने फ्लाइट को फिर से एप्रन में पहुंचाया। इसमें 130 पैसेंजर्स सवार थे। 5 घंटे तक फ्लाइट को ठीक करने की कोशिश की गई। फिर भी सफलता नहीं मिली। इसके बाद दुबई की इस फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया।

श्रीनगर से पहले जम्मू में उतरना था। मौसम और रनवे साफ थे, लेकिन पायलट को उचित लैंडिंग पॉइंट नहीं मिला इंडिगो की इंदौर से भुवनेश्वर की फ्लाइटसोमवार को इंदौर से भुवनेश्वर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए 6332 (एयरबस अ320 नियो विमान) तकनीकी खराबी के चलते रनवे के बीच से लौट आई। फ्लाइट में 80 से ज्यादा यात्री सवार थे। इंदौर एयरपोर्ट टर्मिनल मैनेजर ने बताया कि विमान में माइनर टेक्निकल फॉल्ट की जानकारी सामने आई थी। सुधार के बाद विमान इंदौर से भुवनेश्वर के लिए रवाना हो गया है। विमान करीब ढाई घंटे तक रनवे पर खड़ा रहा। इस दौरान सभी यात्री विमान में ही बैठे रहे। सोमवार को ऊऋउअ ने हरियाणा के गुरुग्राम में मौजूद एअर इंडिया के मुख्य बेस ऑडिट शुरू किया है।

अखिलेश यादव के साथ विश्वासघात

समाजवादी पार्टी के 'विभीषण' बने तीन विधायक, सपा से किया गया निष्कासित

> बागी विधायकों गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान, महिला, युवा, व्यापार, कामकाजी पेशेवरों और पीडीए विरोधी विचारधारा का समर्थन करने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी ने सोमवार को अपने तीन विधायकों को निष्कासित कर दिया, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में मतदान किया था। बागी विधायकों गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान, महिला, युवा, व्यापार, कामकाजी पेशेवरों और पीडीए विरोधी विचारधारा का समर्थन करने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

समाजवादी पार्टी के तीन विधायक पार्टी से निष्कासित

समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन बागी विधायकों अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को सोमवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। गोसाईंगंज से सपा विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से पार्टी विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय खुले तौर पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आने का आरोप है। सपा ने इन तीनों विधायकों के निष्कासन का एलान करते हुए एक्स पर कहा, समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता वकिसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित किया गया है।

पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां

पार्टी ने कहा, इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी ह्यअनुग्रह-अवधि की समय-सीमा अब पूर्ण हुई। शेष लोगों की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है। भविष्य में भी जन-विरोधी लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी।

उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में पर्यटन बहाल करने के प्रयासों पर संतोष जताया

> देशभर के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक यहां आए हैं और उनके साथ ही स्थानीय पर्यटक भी ठंड और बारिश के मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं। बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पहलगाम में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

एजेंसी

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कश्मीर में पर्यटन को फिर से पटरी पर लाने के लिए उनके और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए प्रयासों के परिणाम सामने आ रहे हैं और पर्यटक घाटी में लौट रहे हैं। अब्दुल्ला ने पहलगाम में पर्यटन को फिर से बहाल करने के प्रयासों पर संतोष जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछली बार जब मैं पहलगाम गया था, तो मैंने एक ऐसे बाजार में साइकिल चलायी थी जो लगभग सुनसान था। आज, मैं पहलगाम में वापस आया तो वहां चहल-पहल है। उन्होंने कहा कि देशभर के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक यहां आए हैं और उनके साथ ही स्थानीय पर्यटक भी ठंड और बारिश के मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं। बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पहलगाम में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इस हमले में 25 पर्यटक और खच्चर सेवा संचालित करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गयी थी। अब्दुल्ला ने कहा, ह्ययह देखकर बहुत संतोष हो रहा है कि मेरे सहकर्मियों और मेरे द्वारा किए गए प्रयासों के परिणाम धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का मोदी सरकार पर निशाना

> पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत अकेला पड़ गया था. हमारे पड़ोसी मुल्क नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान अलग हो गए. पाकिस्तान के साथ तीन-चार देश खुलकर आए थे. रूस भी खुलकर हमारे साथ नहीं आया. अमेरिका की नीति सबको पता है. भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है. भारत की तरफ लोग उम्मीद से देखते हैं, लेकिन ऐसे मौके पर चुप रहना ठीक नहीं है.

बोले-इजरायल-ईरान युद्ध पर हमारी विदेश नीति कंफ्यूज

एजेंसी

जयपुरः पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इजरायल व ईरान युद्ध के बीच भारत का रुख स्पष्ट नहीं होने करने को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला. गहलोत ने कहा कि हमारी विदेश नीति आज कंफ्यूज लग रही है, जो देश का दुर्भाग्य है. पीसीसी मुख्यालय में कांग्रेस नेता संजय गांधी की पुण्यतिथि पर सोमवार को मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा कि ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका की एंट्री हो चुकी है. इंदिरा गांधी के समय हमने निर्गुट राष्ट्र सम्मेलन चलाया था. हमारी किसी देश से दुश्मनी नहीं थी, आज ऐसी स्थिति बन गई है कि हमारी

विदेश नीति क्या है, हमको समझ नहीं आ रही है. अब दुनिया के तमाम देश युद्ध की निंदा कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार की विदेश नीति क्या है, यह देश को भी पता नहीं है.हिंदू धर्म को भड़काकर सत्ता में आएः गहलोत ने कहा कि भले भाजपा तीसरी बार चुनाव जीती हो, लेकिन आज देश को कांग्रेस की नीतियों की जरूरत है. इस देश को कांग्रेस ही अखंड रख सकती है. इंदिरा गांधी व राजीव गांधी की हत्या हो गई, लेकिन कांग्रेस ने देश को अखंड रखा. आज जरूरत इसकी है कि आगे भी देश को अखंड रखा जाए. भारत समेत पूरे विश्व में धर्म के नाम पर राजनीति हो रही है. हमारा देश किस दिशा में जाएगा, यह चिंता का विषय होना चाहिए. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा ने आजादी के आंदोलन में अंगुली भी नहीं कटाई. इन्होंने आजादी के बाद हिंदू धर्म को भड़काने के अलावा देश को दिया क्या है. हिंदू धर्म को भड़का कर चुनाव जीतने में सफल हो जाते हैं. देश की दशा और दिशा तय करने में इनका कोई योगदान नहीं है.सोनिया के आर्टिकल से भाजपा बेचैनः पूर्व सीएम ने कहा कि इजरायल-ईरान युद्ध पर लिखे आर्टिकल में सोनिया गांधी ने तमाम बातें सोच समझकर कही है, इसलिए भाजपा बेचैन हो गई.